@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 30 जुलाई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 266 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पेपर लीक रोकने का सख्त कानून लोकसभा में पास

इसमें 7 साल की सजा | 10 करोड़ तक जुर्माना

राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास

एजेंसी
नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर

ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य सड़कों पर उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।'

वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

लोकसभा में राहुल की 50 मिनट की स्पीच

जमकर हंगामा: 'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर ने 11 बार

रिजिजू ने 7 बार टोका, कहा- माफी मांगें

एजेंसी
नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य सड़कों पर

उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।' पेपर लीक से जुड़े बिल पर आज लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। बिल पर 9 घंटे बहस हुई थी। पहले दिन केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष की तरफ से गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव बहस में शामिल हुए।

मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया, माफी नहीं मांगूंगा

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार शाम को प्रेस कांफ्रेंस में सरकार पर बोलने का अवसर न देने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बोलने के कई मौके दिए गए, लेकिन विपक्ष के नेता होने के बावजूद उन्हें बोलने से रोक दिया गया। उन्होंने अमित शाह को हटाने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें बोलने का मौका सिर्फ इसलिए नहीं दिया गया क्योंकि उन्होंने दिल्ली में हुई घटना की जिम्मेदारी तय की थी। राहुल गांधी ने कहा-मुझे सदन में बोलने की अनुमति इसलिए नहीं दी गई क्योंकि मैंने स्पष्ट कहा था कि सड़कों पर जो बर्बरता हुई, उसकी पूरी जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह की है। मुझसे कहा गया कि अगर मैं माफी मांगता हूं तो मुझे बोलने दिया जाएगा। लेकिन मैं साफ कर देना चाहता हूँ कि मैं माफी नहीं मांगूंगा।' राहुल गांधी ने दिल्ली की सड़कों पर छात्रों के साथ हुई घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया।

सेना की पहचान केवल रणभूमि में नहीं, बल्कि मानवीय सहायता से भी होती है : राजनाथ सिंह

'युद्ध हो, प्राकृतिक आपदा हो या मानवीय संकट, हमारे सैनिक हमेशा सेवा को सर्वोपरि रखते हैं'

एजेंसी
नई दिल्ली । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारतीय सेनाओं की पहचान केवल रणभूमि में पराक्रम से नहीं, बल्कि मानवीय सहायता और आपदा राहत में उनकी संवेदनशीलता से भी है। उन्होंने कहा कि युद्ध हो, प्राकृतिक आपदा हो या मानवीय संकट, हमारे सैनिक हमेशा सेवा को सर्वोपरि रखते हैं। दरअसल, लखनऊ के कमांड हॉस्पिटल में एक अलग 'डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री मेडिसिन' की स्थापना हो रही है। इस अवसर पर बुधवार को रक्षा मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिक दुनिया के कुछ सबसे जटिल क्षेत्रों में, सबसे कठिन मौसम में तैनात रहते हैं। सियाचिन की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर रेगिस्तान की कड़ी धूप तक में तैनात, हमारे जवानों को

कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में सेना के जवानों के समक्ष संक्रामक रोग, गर्मी और ठंड से होने वाली चोटें, अधिक ऊँचाई से जुड़ी बीमारियां, थकान, पोषण संबंधी चुनौतियां, निर्जलीकरण तथा कई और भी तरह की समस्याएं सामने आती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह नया विभाग इन सभी परिचालन परिस्थितियों के लिए चिकित्सा प्रोटोकॉल विकसित करेगा। आज आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बहुत तेजी से बदल रहा है।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन

रांची में हजारों छात्रों ने निकाली संविधान यात्रा

एजेंसी
रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, विसंगतियों और लंबित मांगों को लेकर बुधवार को राजधानी रांची में हजारों अभ्यर्थी सड़क पर उतर आए।

अभ्यर्थियों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से 'संविधान यात्रा' निकाली और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने तुरंत निर्णय नहीं लिया तो स्टेडियम परिसर को दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर स्थायी आंदोलन स्थल बनाते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। शाम करीब चार बजे शुरू हुई संविधान यात्रा में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए।

यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए तेज बारिश के कारण मार्च रुका, लेकिन बारिश हल्की पड़ते ही प्रदर्शनकारी फिर एकजुट होकर अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़

गए। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। इनमें 'जेपीएससी छात्रों के साथ खिलवाड़ बंद करो', 'उत्पाद सिपाही भर्ती में सेटिंग-गेटिंग बंद करो', 'जेपीएससी सीट का दाम बताओ, हम पैसा जुटा रहे हैं', 'हेमंत सोरेन इस्तीफा दो' और 'जेपीएससी-जेएसएससी पर जवाबदेही तय करो' जैसे नारे लिखे थे। अभ्यर्थियों का कहना था कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को स्थायी आंदोलन स्थल बनाया जाएगा। उनके अनुसार आज से ही सैकड़ों अभ्यर्थी वहां अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। संविधान यात्रा के कारण राजधानी के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। कचहरी चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। इसका असर मेन रोड, रेडियम रोड और लालपुर रोड तक देखा गया, जहां वाहन धीमी गति से चलते रहे। देर शाम तक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी रहा और उनकी आगे की रणनीति पर सभी की नजर बनी हुई है।

घर लौटे सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके

बोले- इरादे बदले बिना सुधार संभव नहीं, मांगें नहीं मानीं तो करेंगे बड़ा आंदोलन

एजेंसी
छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार 37 दिनों तक चले लंबे संघर्ष और विरोध-प्रदर्शन के बाद अपने गृह नगर छत्रपति संभाजीनगर लौट आए हैं। घर वापसी पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि इस लंबे संघर्ष के बाद वे आखिरकार शांति से सो सकेंगे और अब वे अपने सामान्य जीवन में लौटने की उम्मीद करते हैं। 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक' (Public E&amination - Prevention of Unfair Means Amendment Bill) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिजीत दीपके ने प्रशासनिक प्रक्रिया की कमियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा-देश में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं, लेकिन जब तक लोगों और व्यवस्था के इरादों में सुधार नहीं होगा, तब तक कुछ भी नहीं बदला जा सकता। पेपर लीक मामले की त्वरित सुनवाई के लिए बनी फास्ट-ट्रैक कोर्ट की पहली ही सुनवाई सीबीआई काउंसिल (CBI Counsel) की गैरहाजिरी के कारण स्थगित कर दी गई। अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि छात्रों के हक की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान छात्रों पर दर्ज की गई सभी एफआईआर (FIR) वापस नहीं ली जाती हैं, तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे।

बुर्ज खलीफा की ऑनलाइन बुकिंग अब यूपीआई से

भारतीय यात्रियों को बड़ी सुविधा

एजेंसी
नई दिल्ली। अब भारतीय यात्री यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करके एट द टॉप, बुर्ज खलीफा की ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं। इसके साथ ही यह मशहूर पर्यटन स्थल यूएई का पहला ऐसा आकर्षण बन गया है, जिसने ई-कॉमर्स ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई पेमेंट स्वीकार करना शुरू किया है। यह जानकारी बुधवार को एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने दी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनआईपीएल ने बताया कि यह सुविधा 'नियोपे' और 'एमार एंटरटेनमेंट' के साथ साझेदारी में शुरू की गई है। अब भारतीय पर्यटक यूएई जाने से पहले ही बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यूपीआई से टिकट और दूसरे अनुभवों की बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए वे अपने यूपीआई वाले किसी भी पेमेंट ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह नई सुविधा एनआईपीएल और नियोपे की पहले से चल रही साझेदारी का ही विस्तार है।

बारिश से दिल्ली पानी-पानी

दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई। इसके चलते मेट्रो स्टेशन और कई सड़कों पर पानी भर गया, 36 पेड़ गिर गए। वाटरलॉगिंग की 136 शिकायतें दर्ज की गईं।

ऑटो कंपनियां डर के साए में, 30 करोड़ वाहन हो जाएंगे कबाड़: केजरीवाल

कौमी पत्रिका
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ई-20 पेट्रोल को लागू करने के लिए गुंडागर्दी पर उतर आई है। उन्होंने दावा किया कि इस फैसले से वर्ष 2023 से पहले बने करीब 30 करोड़ वाहन कबाड़ बन जाएंगे और केंद्र सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों को चुप रहने के लिए धमका रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने केंद्र सरकार की एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले मैंने 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा था कि क्या वर्ष 2023 से पहले बने वाहनों में ई-20 पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा सकता है। मैंने यह भी पूछा कि अगर इससे वाहन खराब होते हैं या माइलेज कम होता है तो क्या कंपनियां मुआवजा देंगी। किसी कंपनी ने

आधिकारिक जवाब नहीं दिया, लेकिन मैंने नौ कंपनियों के अधिकारियों से बात की। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि कंपनियां डर के माहौल में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे बताया कि मोदी सरकार उन्हें धमका रही है। उन्होंने माना कि वर्ष 2023 से पहले बने वाहनों में ई-20 पेट्रोल इस्तेमाल करने से इंजन को नुकसान होगा और माइलेज भी घटेगा। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर हम यह बात सार्वजनिक रूप से कहेंगे तो हमारा सब कुछ खत्म हो जाएगा। हमारे प्लांट बंद करा दिए जाएंगे या ईडी की रेड पड़ जाएगी। मोदी जी 2023 से पहले बने 30 करोड़ वाहनों को कबाड़ बनाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने एथेनॉल के फायदे पर भी सवाल उठाते हुए कहा, इससे विदेशी मुद्रा की कोई बचत नहीं होती और भूजल का भी दोहन होता है। आखिर मोदी जी इस पर इतने अड़े क्यों हैं? हमने ई-20 को लेकर एक टाउन हॉल आयोजित करने की योजना बनाई थी, लेकिन संविधान क्लब में पुलिस पहुंच गई और अनुमति रद्द करा दी। इनडोर कार्यक्रमों के लिए पहले कभी अनुमति की जरूरत नहीं पड़ी।

पिछले 10 सालों में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई है: सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि भारतीय रेलवे में सुरक्षा में काफी सुधार हुआ है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 हो गई है, और चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई हैं। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'कॉन्सिक्वेंशियल एक्सीडेंट इंडेक्स' (प्रति मिलियन ट्रेन-किलोमीटर दुर्घटनाएं) 2014-15 में 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 हो गया है, जो लगभग 91 प्रतिशत की कमी है। रेल मंत्रालय के बयान में उन कई उपायों और निवेशों का जिक्र किया गया, जिनसे ट्रेन संचालन में सुरक्षा बेहतर हुई है। सुरक्षा से जुड़े कामों पर खर्च लगातार बढ़ा है। यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपए हो गया है। 6,671 स्टेशनों पर सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशन वाले इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए गए हैं और इन सभी स्टेशनों पर पूरी तरह से ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा दी गई है। सुरक्षा

बढ़ाने के लिए 10,395 लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट्स पर इंटरलॉकिंग की सुविधा दी गई है। बयान में आगे कहा गया है कि सभी लोकोमोटिव में विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस लगे हैं, और कोहरे वाले इलाकों में लोको पायलटों को जीपीएस-बेस्ड फॉग सेफ्टी डिवाइस दिए गए हैं। जब कोहरे के मौसम में विजिबिलिटी कम होती है, तो क्रू को आगे के सिग्नल के बारे में अलर्ट करने के लिए इलेक्ट्रिफाइड इलाकों में सिग्नल से दो ओएचई मास्ट पहले मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड दिए गए हैं। कमियों का पता लगाने और खराब रेल को समय पर हटाने के लिए रेल की अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) टेस्टिंग, साथ ही लंबी रेल बिछाना, एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग का इस्तेमाल कम करना और रेल के लिए बेहतर वेल्डिंग टेक्नोलॉजी अपनाना, सेफ्टी बढ़ाने वाली दूसरी कोशिशों में से हैं।

राजस्थान में मानसून का कहर: जयपुर में सड़कें जलमग्न

धौलपुर में बाजार डूबे | 22 जिलों में येलो अलर्ट

जयपुर(एजेंसी) राजस्थान में बुधवार को मानसून ने रफ्तार पकड़ ली। राजधानी जयपुर समेत राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ। जयपुर में दोपहर के समय करीब 35 मिनट तक हुई तेज बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए, जबकि धौलपुर जिले के राजाखेड़ा कस्बे में बाजारों और निचले क्षेत्रों में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के 22 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि 2 अगस्त तक सक्रिय मानसून बना रहेगा। विभाग के अनुसार 30 और 31 जुलाई को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर में तेज बारिश के चलते टोंक रोड, रामबाग, परकोटा क्षेत्र (चारदीवारी), अजमेरी गेट, 22 गोदाम और सी-स्कीम समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। जगतपुरा रोड पर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने बस स्टॉप पर रुककर बारिश थमने का इंतजार किया।

गाजियाबाद में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और कई घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए जा रही एक बोलेरो पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि पिकअप हाल ही में खरीदी गई थी और सवार सभी लोग उसकी पूजा-अर्चना एवं गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही निवाड़ी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का अकेला मामला नहीं है। इससे पहले, 21 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के छपरौला के पास भी सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था, जिससे केबिन में फंसे चालक आमिर (28) की मौत हो गई थी। इन हादसों ने सड़कों पर सुरक्षा उपायों की गंभीरता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा सांसदों को बागवानी सब्सिडी : एक ने लौटाई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद को जानकारी दी कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी और राजस्थान के भाजपा सांसद लुंबाराम को बीते पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता मिली थी। हालांकि, चौधरी ने अपनी सब्सिडी वापस कर दी है। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एनएचबी की योजनाएं व्यावसायिक बागवानी, संरक्षित खेती, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और शीत भंडार अवसंरचना के विकास के लिए पात्र किसानों और उद्यमियों को आर्थिक मदद देती हैं। उन्होंने सांसदों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को मिली वित्तीय सहायता का विवरण दिया, जिसमें चौधरी और लुंबाराम प्रमुख थे। कृषि राज्य मंत्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भगीरथ चौधरी ने अपनी सब्सिडी संबंधित बैंक को लौटा दी है, जिसे बागवानी बोर्ड को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने बताया कि बोर्ड के दिशानिर्देशों में लोक सेवकों या उनके परिवार के सदस्यों के आवेदनों को लेकर हितों के टकराव का कोई विशेष प्रावधान नहीं है। ये योजनाएं सभी पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें व्यक्ति, फर्म और कंपनियां शामिल हैं, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करें। इसमें परियोजना की जमीन आवेदक के स्वामित्व में होनी चाहिए या कम से कम 10 साल के लिए पट्टे पर ली गई होनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा से पहले हापुड़ में मांसाहारी दुकानें बंद : प्रशासन सख्त

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठा दिए हैं। शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करने और यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शहर में मीट, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी उत्पादों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें बंद करने के आदेश दिया हैं। यह प्रतिबंध 26 जुलाई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, जिसकी सूचना सभी दुकानदारों को नोटिस के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि के दौरान कोई भी मांसाहारी प्रतिष्ठान खुला मिलता है, तब उसके मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कविता मीणा ने जानकारी देकर बताया कि कांवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु निर्णय लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी मीट की दुकानों और रेस्टोरेंट संचालकों को सूचित किया गया है कि कांवड़ मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में मीट, मांस, मछली की बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने दुकान मालिकों और होटल संचालकों से आदेश का पूर्णत: पालन करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, हापुड़ पुलिस यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही कई दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। खाद्य और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से पूरी हो सके।

अबोहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, स्कूल खाली कराए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह फाजिल्का जिले के अबोहर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों को तत्काल खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, अजम्पसन कॉन्वेंट स्कूल, डीएवी स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों को सुबह करीब 8:51 बजे ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 1:30 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और तत्काल छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के जालंधर, अमृतसर, मोगा, मोहाली तथा चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

अमृतपाल की रिहाई को लेकर प्रदर्शन हुआ तेज, मोहाली बॉर्डर पर पुलिस से झड़प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के घेराव का प्रयास किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई।

छात्रों पर बल प्रयोग कर सरकार ने गांधी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए बल प्रयोग की तीखी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों को कफन पहनाने का काम किया है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, पर चर्चा के दौरान डिंपल ने बीते 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का उल्लेख किया।

सपा सांसद डिंपल ने सवाल उठाया कि जब 2024 में इसतरह का कानून लाया गया था, तब भी प्रश्नपत्र लीक क्यों हुए? उन्होंने पेपर लीक को मोदी सरकार का षड्यंत्र या सिस्टम में परमानेंट लीकेज बताया। उन्होंने छात्रों के हौसले की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन का डटकर मुकाबला किया और अहंकारी सरकार के आगे झुकने से इंकार किया। डिंपल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी बेटियों के कपड़े फाड़े गए, उन पर पैलेट गन चली, बच्चों के सिर कील लगे डंडों से फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर पलटवार कर कहा कि यदि आपातकाल देखना था....तब सड़कों पर देखना चाहिए था, जब बच्चे खून बहा रहे थे। उन्होंने छात्रों को अराजक तत्व कहने वाले सांसदों की भी कड़ी आलोचना की।

वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधेयक को बिना मन से लाया गया बताकर कहा कि 2024 का कानून भी विफल रहा। उन्होंने त्वरित अदालत को भाजपा का नया जुमला करार देकर सुझाव दिया कि पेपर लीक होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कानून में पहली शर्त होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि 12 साल की भाजपा सरकार के बाद युवा पीढ़ी चौराहे पर है, और सरकार ने किसान व पहलवान आंदोलनों की तर्ज पर ही छात्र आंदोलन को दबाने के लिए अपने टूल किट का इस्तेमाल किया।

लोजपा (रामविलास) के अरूण भारती ने विधेयक का समर्थन कर पेपर लीक की सूचना देने वालों को संरक्षण और रद्द परीक्षाओं की जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के साथ-साथ पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन और छात्रों के साहस की सराहना कर लड़कियों पर हुई बर्बरता की निंदा की।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

-पोस्ट हटाने के साथ अकाउंट संचालकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और लॉगिन डिटेल देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एक्स को पत्र लिखकर संबंधित पोस्ट और वीडियो हटाने तथा उन्हें साझा करने वाले अकाउंट संचालकों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अकाउंट होल्डर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य पहचान संबंधी विवरण मांगे हैं। इसके अलावा संबंधित खातों की लॉगिन और लॉगआउट जानकारी, समय और तारीख का रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने एक्स से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पोस्ट और वीडियो से जुड़ी सभी जानकारियों को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी जांच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने उस वीडियो को दोबारा बहाल कर दिया। दिल्ली पुलिस अब सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री के स्रोत और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान करने की दिशा में जांच आगे बढ़ा रही है।

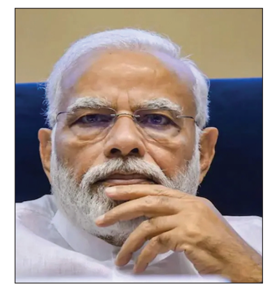

संजय निरूपम ने कहा- प्रोफेसर वी. कामाकोटी से मांफी मांगे प्रियंका

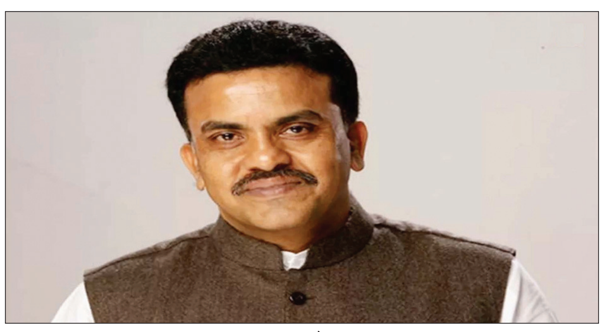

-संसद में टिप्पणी पर बढ़ा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित परीक्षा सुधार टास्क फोर्स को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी को टास्क फोर्स में शामिल किए जाने पर सवाल उठाने और उन्हें लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया है। प्रियंका गांधी के इस बयान की जहां सत्ता पक्ष ने तीखी निंदा की है, वहीं अब शिवसेना नेताओं ने भी उन्हें नसीहत देते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। संजय निरूपम ने आगे कहा कि भारतीय परंपराओं, आयुर्वेद और नेचरोपैथी पर शोध करने वाले विद्वानों का मजाक उड़ाना अनुचित है। उन्होंने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैज्ञानिकता की आड़ में भारतीय परंपराओं से नफरत करना सही नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियंका गांधी को एक महान शिक्षक और वैज्ञानिक का अपमान करने के लिए प्रोफेसर कामाकोटी से माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले मॉनसून सत्र के दौरान चर्चा में हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने नई कमेटी के गठन पर सवाल उठाए थे और टास्क फोर्स के सदस्यों की योग्यताओं पर टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा था कि देश के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक पर इस तरह की टिप्पणी करना दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी अपनी बातों से लोगों को गुमराह करने और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामियों को छिपाने का प्रयास करती हैं। वहीं, शिवसेना नेता संजय निरूपम ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर प्रोफेसर कामाकोटी की शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धियों का ब्योरा दिया। उन्होंने लिखा कि प्रोफेसर कामाकोटी आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं, आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स का नेतृत्व कर चुके हैं। वर्ष 2011 में आईआईटी की परीक्षाओं का सफल संचालन करने जैसी अनेक उपलब्धियां उनके नाम दर्ज हैं। इन्हीं योग्यताओं के आधार पर उन्हें नीट जैसी परीक्षाओं में सुधार और पारदर्शिता लाने वाली समिति में शामिल किया गया है।

देशभर में मानसून का कहर, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

--मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट, गुजरात की फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित

-उत्तराखंड में चारधाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मानसून अपने सबसे सक्रिय चरण में पहुंच गया है, जिससे कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले चार से छह दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से व्यापक वर्षा की संभावना बनी हुई है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अत्यधिक वर्षा की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित बाढ़ व जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की भी आशंका जताई गई है। भारी बारिश का असर औद्योगिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। गुजरात में लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र सहित आसपास स्थित कई ऑटो पार्ट्स सप्लायर इकाइयों में पानी भर गया, जिससे उत्पादन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। उद्योग जगत को आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की भी चिंता है।

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। यात्रा मार्गों पर मलबा आने और रास्ते अवरुद्ध होने के चलते प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं चंपावत, बागेश्वर और टिहरी जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को एहतियातन बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का दौर जारी रह सकता है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनईपी को नागपुर शिक्षा नीति, बिना चर्चा लागू करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 31 जनवरी, 2026 को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की छठी वर्षगाँठ पर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर नागपुर शिक्षा नीति बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण नीति को संसदीय चर्चा के बिना ही लागू किया गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि एनईपी 2020 पर संसद में कभी चर्चा नहीं की गई और न ही शिक्षा के केंद्रीय सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) से मंजूरी मिली। उन्होंने मोदी सरकार पर एनईपी के तहत प्रमुख नियामक निकायों और पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि आज एनईपी की नींव हिल गई है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जो पूर्व मंत्री इसके सबसे बड़े प्रचारक थे और जिन्होंने राज्य सरकारों पर लागू करने का दबाव डाला था, उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीएसई) का मामला भी संसद की एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, जो ठंडे बस्ते में पड़ा है, और एनडीए सहयोगियों के विरोध के कारण बीते तीन सप्ताह में दो बार इसकी बैठकें रद्द करनी पड़ी हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने मौजूदा नीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1986 में शुरू की गई नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन से की। उन्होंने ज़ोर दिया कि 1986 की नीति को अपनाने से पहले संसद में उस पर विस्तार

से चर्चा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली, जिन्होंने सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई।

सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से की मुलाकात

-किसानों, छात्रों और युवाओं के साझा मोर्चे की तैयारी, सरकार पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप

-छात्रों पर दर्ज मामलों की वापसी नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने आंदोलन को व्यापक सामाजिक स्वरूप देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के वरिष्ठ नेता राकेश टिकैत से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक में किसानों, छात्रों और युवाओं के साझा मंच के गठन तथा सरकार के खिलाफ संयुक्त रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को छात्र आंदोलन के अगले चरण की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

बैठक के बाद सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन को उम्मीद है कि किसान, छात्र और युवा एकजुट होकर अपने मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उनके अनुसार, शिक्षा से जुड़े सवालों के साथ-साथ किसानों और युवाओं की समस्याओं को भी अब एक साझा मंच से उठाया जाएगा, ताकि विभिन्न वर्गों की आवाज को एकजुट किया जा सके। सीजेपी ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन के दौरान केंद्र और कुछ राज्य सरकारों की ओर से दिए गए आश्वासनों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। संगठन का दावा है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों में कुछ कार्रवाई हुई है, लेकिन राजस्थान सहित कई राज्यों में अब भी छात्रों पर एफआईआर दर्ज की जा रही हैं और उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है।

इन्हीं मुद्दों को लेकर सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से समर्थन मांगा। संगठन का कहना है कि यदि छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो किसान संगठनों और युवा समूहों के सहयोग से देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। सीजेपी का दावा है कि यह अभियान शिक्षा, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों को एक साथ उठाने का प्रयास होगा।

गौरतलब है कि जंतर-मंतर पर चले छात्र आंदोलन के दौरान भी राकेश टिकैत कई बार प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे थे और छात्रों के समर्थन में अपनी एकजुटता व्यक्त की थी। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच हुई यह बैठक छात्र और किसान संगठनों के संभावित संयुक्त अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम मानी जा रही है। हालांकि, सरकार की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

बजरंग दल पर की थी कथित टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पंजाब के संगरूर की एक अदालत ने जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने उन्हें 19 सितंबर 2026 तक व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। यह वारंट 15,000 रुपये का जमानती वारंट है। यदि निर्धारित तिथि तक वे अदालत में उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र-विरोधी और प्रतिबंधित संगठनों से की गई थी, जिससे संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने इस मामले में 100 करोड़ रुपये के मानहानि दावे का भी उल्लेख किया है। फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और अगली सुनवाई में अदालत खरगे की उपस्थिति तथा मामले की प्रगति के आधार पर आगे का निर्णय लेगी। यह मामला वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान से जुड़ा है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में

बजरंग दल की तुलना प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। शिकायत के अनुसार, उस समय कहा गया था कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाएगा। इसी बयान को लेकर बजरंग दल की ओर से अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस टिप्पणी से संगठन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और उसकी छवि धूमिल हुई। इसी आधार पर मानहानि का मुकदमा दायर किया गया, जिसकी सुनवाई संगरूर की अदालत में जारी है। अदालत ने इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर पेश होने के लिए कहा था। नोटिस के बावजूद अदालत में उपस्थिति नहीं होने पर अब जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक पेश होकर उन्हें जमानत लेनी होगी, अन्यथा आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

केंद्र सरकार राजनीतिक हित के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल न करे: सीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

सीजेपी प्रवक्ता दास ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने साफ सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तुरंत वापस ली जाएं और अपने आश्वासनों पर अमल करे। सीजेपी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है, तब पुलिस को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत का रुख करना चाहिए, लेकिन इसतरह के मामलों को आधार बनाकर सभी एफआईआर को आगे बढ़ाना गलत है। उनके अनुसार, इससे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है और सरकार को मिली इस तरह की छूट भविष्य में दुरुपयोग का कारण बन सकती है।

सौरव दास ने कहा कि युवाओं को यह स्थिति स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्र और युवा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे और उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। सीजेपी उन सभी प्रदर्शनकारियों के साथ मजबूती से खड़ी है, जिन्होंने अपने और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से प्रदर्शनकारियों से किए गए सार्वजनिक वादों को पूरा करने और एफआईआर वापस लेने सहित सभी आश्वासनों को लागू करने की अपील की, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर युवाओं में असंतोष और बढ़ सकता है।

पत्नी से झगड़कर टंकी पर चढ़ा युवक, पापा नीचे आ जाओ चिल्लाता रहा पांच साल का बेटा, गिरकर मौत

सहारनपुर। पेपर मिल रोड पर कांशीराम कॉलोनी में पानी की टंकी पर चढ़े एक व्यक्ति की गिरकर मौत हो गई। व्यक्ति का अपनी पत्नी से झगड़ा चल रहा था। बच्चे नीचे खड़े होकर पापा नीचे आ जाओ चिल्लाते रहे। पुलिस ने देर शाम शव को टंकी से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। मामला सहारनपुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र का है। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में हसनपुर चुंगी निवासी शुभम (30) की शादी कांशीराम कॉलोनी निवासी शिवानी के साथ हुई थी। उनका पांच साल का बेटा है। मंगलवार को शुभम अपनी पत्नी के पास कांशीराम कॉलोनी में मिलने आया था। इसी बीच दोनों के बीच किसी बात पर अनबन हो गई। इसके बाद शुभम कांशीराम कॉलोनी में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। यह देखकर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। पता लगने पर शिवानी और पुलिस पहुंची। बेटा पापा नीचे आ जाओ, की आवाज लगाता रहा। तीन से चार घंटे तक शुभम टंकी के ऊपर ही बैठा रहा। उसने किसी की बात नहीं सुनी। क्षेत्रीय पार्षद राजकुमार शर्मा ने भी काफी समझाने का प्रयास किया। वह पहले भी कई बार पानी की टंकी पर चढ़ चुका था। देर शाम शुभम पानी से भरी टंकी में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर कब्जे में ले लिया। पत्नी शिवानी का कहना है कि कई महीने पहले महिला थाने से लिखित रूप में फैसला हो गया था। इसके बाद भी वह लगातार आता-जाता था। नशा करते थे। व्यक्ति का अपनी पत्नी के साथ झगड़ा चल रहा था। कई बार कॉलोनी के लोगों ने भी उसे समझाने का प्रयास किया। अभी मृतक के परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है।

भूजने से रोका, किशोर छात्र ने फंदा लगा दी जान

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पारा गांव में अनमोल शर्मा (16) ने सिर्फ इस बात पर फंदा लगाकर जान दी कि उसकी दादी कुषमा ने उसे पापड़ भूजने से रोक दिया। घटना के वक्त पिता प्रेमशंकर शहर काम से गए थे। पिता प्रेमशंकर ने बताया कि अनमोल 11वीं का छात्र था। मां खुशबू 4 साल पहले तीन बच्चों को छो ?कर किसी और व्यक्ति के साथ सहमति सम्बंध में रह रही है। जानकारी के मुताबिक दोपहर को अनमोल पाप ? भूज रहा था और उसकी दादी कुषमा ने सिर्फ इतना कहा कि अभी पाप ? न भूनो हम शाम को भून देंगे। इसी बात ने नाराज अनमोल ने दादी के सिर पर थाली फेंक कर मार दी और खुद को कमरे में बंद कर दिया। सबने सोचा कि वह सो गया है लेकिन जब छोटी बहन अभिलाषा ने खि ?की से देखा तो अनमोल छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। आनन-फानन में ग्रामीणों ने दीवार तो ?कर दरवाजा खोला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।फिलहाल खबर लिखे जाने तक बिठूर पुलिस फॉरेंसिक टीम का इंतजार कर रही है।

झूठी शान के लिए बेटी को मौत के घाट उतारा, आत्महत्या बता रात में ही आनन-फानन कर दिया अंतिम संस्कार

अलीगढ़। गोंडा के गांव बसौली में विधि छात्रा हिमांशी (20) को परिवार ने झूठी शान की खातिर बृहस्पतिवार रात मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आत्महत्या करार देकर आनन-फानन रात में ही अंतिम संस्कार कर दिया। सुबह खबर लगने पर प्रेमी ने एसएसपी के पास पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मां-भाइयों सहित पांच परिजनों को हिरासत में ले लिया है। आरोपी पिता की तलाश जारी है। प्रेमी की शिकायत पर एसएसपी ने भी घटनास्थल देखा और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। सीओ इगलास कमलेश कुमार के अनुसार गांव बसौली के पूर्व प्रधान चौधरी कुलदीप सिंह के छोटे भाई अवधेश सिंह गोंडा ब्लॉक में ही पंचायत सचिव हैं। उनके चार बच्चों में दूसरे नंबर की हिमांशी लॉ द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। बृहस्पतिवार देर शाम आठ बजे के बाद अचानक से उसकी मौत का शोर मचा। परिवार ने उसे आत्महत्या करार देकर बिना पुलिस को खबर दिए साढ़े दस बजे रात में अंतिम संस्कार कर दिया। इधर, मूल रूप से कस्बा गोंडा दरबर हाल सुमित सरोवर रामघाट रोड क्वार्सी का हर्षित वार्ष्णेय शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे सीधे एसएसपी से मिलने पहुंच गया। उसने एसएसपी को बताया कि वह कस्बा गोंडा में मेडिकल स्टोर चलाता है। हिमांशी से उसके स्कूल के समय से प्रेम संबंध थे। हिमांशी का परिवार इन संबंधों का विरोध करता था। 15 मार्च को परिजनों के उत्पीड़न से तंग आकर हिमांशी उसकी दुकान पर आ गई थी। तब पीछे से आए उसके भाइयों ने वहां आकर उसे पीटा, जिसके सीसीटीवी साक्ष्य मौजूद हैं। बाद में परिजन उसे अपने साथ ले गए। मामला गोंडा थाने तक गया। जहां परिजन लिखित राजीनामा कर हिमांशी को अपने साथ ले गए थे। उसने कई बार बताया कि परिजन उस पर प्रेम संबंध तोड़ने का दबाव बनाते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। हर्षित ने आरोप लगाया कि इसी क्रम में रात हिमांशी के परिजनों ने उसकी हत्या कर साक्ष्य मिटाने के इरादे से शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। अब उसे भी अपनी जान का खतरा है। एसएसपी ने हर्षित को सीधे गोंडा थाने भेजा और थाना पुलिस को घटना स्थल पर भेजा। उसके बाद खुद फॉरेंसिक टीम व सीओ इगलास को लेकर घटनास्थल गए। जहां गांव के बाहर रात में जली हुई चिता मिली। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाते हुए हड्डियां संकलित की हैं और घर से भी साक्ष्य जुटाए हैं। हर्षित की तहरीर पर हिमांशी संग मारपीट, फिर उसकी हत्या, साक्ष्य मिटाने संबंधी धाराओं में परिजनों पर एफआईआर दर्ज कर ली है। सीओ के अनुसार दो सगे भाई, मां, दो मामा आदि हिरासत में हैं। पिता की तलाश की जा रही है।

सूक्ष्म पोषक तत्व खाद के नमूने फेल, दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित; दोनों को नोटिस देकर जवाब तलब

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में सूक्ष्म पोषक तत्व खाद के दो नमूने जांच में फेल पाए गए हैं। इन नमूनों में जिंक की मात्रा निर्धारित मानक से कम मिली है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दोनों दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। दुकानदारों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जवाब न देने पर दुकानों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम ने पूर्व में अभियान चलाकर खाद के नमूने भरे थे। गदागंज में शिव खाद भंडार से खंडेलवाल एग्रो इंडस्ट्रीज बरेली में निर्मित सूक्ष्म पोषक तत्व खाद और कनहा स्थित सूर्या इंटरप्राइजेज से भारत एग्रो मालीट्यूल्स मेरठ में बने सूक्ष्य पोषक तत्व खाद का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच में दोनों ही नमूनों में जिंक की मात्र काफी कम मिली। इसका खुलासा विधि विश्लेषक प्रयोगशाला की जांच में यह खुलासा हुआ है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोनों खाद दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडेय ने बताया कि नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। दुकानदारों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। सही जवाब न आने पर दुकानों के लाइसेंसों को निरस्त कर दिया जाएगा।

एफआरएस ने खोली प्रदर्शन में शामिल अपराधियों की कुंडली, संगीन जुर्म के आरोपी भी दिखे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) ने जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान 2873 आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान की है। हालांकि, जांच में सामने आया है कि मौजूदा समय में एफआरएस की चेहरे पहचानने की क्षमता करीब 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि सिस्टम ने प्रदर्शन में मौजूद अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के केवल एक हिस्से की ही पहचान की होगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एफआरएस की सटीकता कई तकनीकी पहलुओं पर निर्भर करती है। इसमें कैमरे की गुणवत्ता, रोशनी की स्थिति, चेहरे का कोण और इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर के एल्गोरिदम की भूमिका अहम होती है। दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2018 में एक अदालत में स्वीकार किया था कि उस समय इस्तेमाल किए जा रहे फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की सटीकता दर करीब एक प्रतिशत थी। कई बार सिस्टम उम्र और लिंग पहचानने में भी गलती करता था। हालांकि, समय के साथ तकनीक को अपडेट किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति की पहचान नियंत्रित माहौल में, जैसे एयरपोर्ट या कार्यालय में स्थिर कैमरे के सामने की जाए तो आधुनिक एफआरएस सिस्टम काफी अधिक सटीक परिणाम दे सकते हैं। लेकिन भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रदर्शनों या कम रोशनी वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज से पहचान करना चुनौतीपूर्ण होता है। एफआरएस जांच में सामने आया कि पहचाने गए 2873 लोगों में से 989 का गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। इनमें हत्या के मामलों में शामिल 101 आरोपी, हत्या के प्रयास के 62 आरोपी और डकैती व लूट के मामलों में शामिल 284 लोग शामिल हैं। इसके अलावा दुष्कर्म के 61 आरोपी, पॉक्सो एक्ट के छह आरोपी और महिलाओं से छेड़छाड़ के 25 आरोपी भी मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल कुछ आरोपी पहले भी गंभीर मामलों में संलिप्त रहे हैं। दुष्कर्म के मामलों में शामिल आठ आरोपी ऐसे थे, जिनके खिलाफ दो या उससे अधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा हथियार अधिनियम के तहत अपराधों में शामिल 229, झपटमारी के 135, अपहरण के 19 और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े 67 आरोपी भी एफआरएस के जरिए चिन्हित किए गए। हत्या के मामलों में शामिल आरोपियों में 142 ऐसे मिले जिनकी दो या उससे अधिक मामलों में संलिप्तता रही, जबकि 12 आरोपी ऐसे थे जिनके खिलाफ 10 या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। लूट और डकैती के मामलों में भी कई पुराने अपराधी सामने आए। इनमें 155 आरोपी ऐसे थे जो दो या उससे अधिक मामलों में शामिल रहे, जबकि 31 आरोपियों के खिलाफ 10 या उससे अधिक मामले दर्ज थे। एनडीपीएस मामलों में भी नौ आरोपी ऐसे मिले, जिनकी दो या उससे अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्तता रही।

एमसीडी के चार स्कूलों में 'स्मार्टशाला' की शुरुआत

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने के लिए सीएसआर परियोजना 'स्मार्टशाला' के तहत एमसीडी के चार प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए गए हैं। इस पहल से 3,500 से अधिक छात्रों को तकनीक-आधारित शिक्षा मिलेगी और 40 शिक्षकों को डिजिटल टीचिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिजीटॉपर्स की ओर से संचालित और आस फाउंडेशन नॉलेज पार्टनर के रूप में जुड़ी इस परियोजना के तहत स्कूलों में इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल (आईएफपी) लगाए गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 20 हजार वीडियो, 10 हजार ई-बुक्स और अभ्यास सामग्री उपलब्ध कराई गई है। स्वधा की प्रतिनिधि वर्षा गोयल ने कहा कि स्मार्टशाला का उद्देश्य सिर्फ डिजिटल उपकरण देना नहीं, बल्कि रुचिकर शिक्षण माहौल विकसित करना है ताकि छात्र भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। यह परियोजना एमसीडी प्राइमरी बॉयज स्कूल (घिटोरनी), एमसीडी प्रतिभा बॉयज स्कूल (आया नगर), एमसीडी प्राइमरी गर्ल्स स्कूल (छतरपुर) और निगम प्रतिभा बाल विद्यालय (छतरपुर) में लागू की गई है।

मंदिर परिसर में पूजा के दौरान पीपल की डाल गिरी, दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

बदायूं। बदायूं के कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव ललेई में बुधवार को ग्राम देव की पूजा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पूजन के दौरान पीपल की डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। तीन महिलाएं घायल हुई हैं। इनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक गांव ललेई में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महिलाएं बुधवार दोपहर ग्राम देव की पूजा कर रही थीं। पूजा के दौरान पीपल की बड़ी डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। इससे महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। महिला ऊषा (40 वर्ष) पत्नी रामौतार की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायल महिलाओं को आनन-फानन जिला अस्पताल लेकर जाया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने अमीर बानो (45 वर्ष) पत्नी तसब्बर को मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि अमीर बानो पूजा देखने के लिए खड़ी थीं। जिला अस्पताल में घायल हरदेदी, श्यामा देवी और रामलली का इलाज किया जा रहा है। कुंवरगांव के थानाध्यक्ष राजेश कौशिक ने बताया कि बुधवार दोपहर बाद करीब 3.15 बजे पीआरवी 6625 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम ललेई स्थित गमा देवी मंदिर परिसर में खड़े पीपल पेड़ के नीचे हवन कीर्तन हो रहा था। पीपल की डाल पर बंदर उछल-कूद कर रहे थे, जिससे डाल टूटकर गिर गई। जिसके नीचे दबने से ऊषा देवी और अमीर बानो की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल पर मौजूद महिलाओं के एकत्रित होने की जानकारी की गई तो मालूम हुआ कि गमा देवी मंदिर पर प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा को हवन कराया जाता है।

ऑटो कंपनियां डर के साए में, 30 करोड़ वाहन हो जाएंगे कबाड़: केजरीवाल

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोदी जी, आपको ई-20 का फैसला वापस लेना ही होगा, चाहे सम्मानपूर्वक वापस लें या फिर हम आंदोलन करके इसे वापस करवाएंगे। कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्क) के विरोध प्रदर्शन की चेतावनी पर पूछे गए सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, उन्हें विरोध करना चाहिए, हम उनके समर्थन में हैं। देश के सामने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रियों ने कहा था कि एफआईआर वापस ली जाएंगी। फिर यह झूठ क्यों बोला गया? दिल्ली में जलभराव और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा, उन्हें सरकार चलाते हुए दो साल हो गए हैं। हमारे कार्यकाल में हालात कभी इतने खराब नहीं रहे। वे बुनियादी समस्याओं का समाधान करने में भी पूरी तरह विफल रहे हैं। लक्ष्मी योजना पर टिप्पणी करते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस योजना की पात्रता की शर्तें ऐसी रखी गई हैं कि अधिकांश महिलाएं इससे बाहर हो जाएंगी। उन्होंने कहा, इस योजना में इतनी शर्तें लगा दी गई हैं कि शायद ही कोई पात्र हो सके। दिल्ली की 1.25 करोड़ महिलाओं में से केवल 17 लाख महिलाओं को ही इसका लाभ मिलेगा। यह सिर्फ एक खोखला वादा है।

NAME CHANGE

I, No.-4096057H Rank-RFN Name-SANDEEP SINGH legal father of ARNIKA residing at- VILL & PO-MANJGAON SAKLANA PATTI, TEHSIL-DHANOLTI, DIST-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249145, have changed my minor daughter's name from ARNIKA to KM ARNIKA for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, GURWANT SINGH S/O HARBHAJAN SINGH ANAND R/O 1526 A HOUSING BOARD COLONY SECTOR 29 FARIDABAD 121008 HAVE CHANGED MY NAME GURWANT SINGH ANAND FOR ALL FUTURE PURPUSE

NAME CHANGE

I, TARA RANI mother of JC-389374F, Rank - SUB, Name – GOPAL SINGH residing at VILL-NAMOLI, PO-KARARI, TEHSIL-MUKERIAN, DIST-HOSHIARPUR, PUNJAB-144222, have changed my name from TARA RANI to TARO DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1946 instead of my correct date of birth as 01/01/1946 vide Affidavit dated 29/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Tushar Bansal S/O: Manoj Kumar, R/O Vinaypur, Vinaipur, PO:Rataul, DIST: Baghpat, Uttar Pradesh - 250101, have changed my name and shall hereafter be known as TUSHAR BAISLA.

LOST AND FOUND

It is notified for the information that my Sale Deed Property Bearing No.-VILLAGE-CHAILAHA KUDIYA, PO-MOTIHARI, PS-BANJARIA, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845401, Deed No. 5435 dated 15/04/2025, Registry Office, Motihari, Govt. of Bihar, have been lost. FIR Lodged in Police Station Delhi Cantt, Delhi vide LR No. 464562/2026 dated 20/07/2026.
Name of the Property Holder – DILIP KUMAR S/o MUNNILAL PRASAD,
Address- WARD No.-9, VILLAGE-CHAILAHA KUDIYA, PO-MOTIHARI, PS-BANJARIA, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845401.

NAME CHANGE

I hitherto known as DEEPAK BHATI S/O OMVEER R/o 40, Kasana Road Panchyatan Inyatpu, Panchayatan Inayatpur, Gautam Buddha Nagar Uttar Pardesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK BHATI SHAIRU.

NAME CHANGE

I, hitherto known as KUNDAN S/O Jhariya Singh, R/O Mohammad Khani, Vilaspur, Gautam Buddha Nagar, Bilaspur, Uttar Pradesh, 203131, have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ABRAR S/O MOHD AZIZ R/O G183 DILSHAD COLONY OLD SEEMAPURI EAST DELHI 110095 HAVE CHANGED MY NAME TO HAJI ABRAR

NAME CHANGE

I, SEYJAL d/o GOPAL GUPTA r/o WZ-684/4D, KH. NO. 644, GALI NO. 8, INDRA PARK, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name to SEYJAL BANSAL for future purposes.

NAME CHANGE

I, RAHUL PHOGATT S/O KARAM SINGH R/O 62R/1 NEAR LANE NO 3 HUMAYUN PUR, SAFDARJUNG ENCLAVE, SOUTH WEST DELHI, 110029, CHANGED MY NAME TO RAHUL PHOGAAT.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MOHD TABARAK S/o YUSUF R/o 370, GALI NO.22, ZAKIR NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that name of my minor son has been wrongly written as HASAN in my minor son's namely MOHAMMAD HASAN (age about 14 Years) in his school records. The actual name of my minor son is MOHAMMAD HASAN, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, GOPAL BANSAL s/o R D GUPTA r/o WZ-684/4D, KH. NO. 644, GALI NO. 8, INDRA PARK, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name to GOPAL GUPTA for future purposes.

NAME CHANGE

I, KALPANA BAHADUR W/O. ARUN R/O. C-3/444, ADARSH ENCLAVE , PHASE-3, AYA NAGAR, ARJANGARH, DELHI-110047. have changed my name to KALPANA.

NAME CHANGE

I HITENDER S/O RAJENDER SINGH R/O RZ-21A, K -BLOCK NEW ROSHAN PURA NAJAFGARH NEW DELHI-110043 HAVE CHANGED MY NAME TO HITENDER YADAV

NAME CHANGE

I MD HANZLA S/O HAJI ABRAR R/O G183 DILSHAD COLONY OLD SEEMAPURI EAST DELHI 110095 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD HANZLA

NAME CHANGE

I, Sakshi Chawla w/o Tarun Mehta R/WZA-81/A,UGF,Virender Nagar,Gali No-11,Janak Puri, New Delhi-110058 have changed my name to Sakshi Mehta for all future purposes

NAME CHANGE

I, Chand Akhter D/O Muzaffar Ali R/o B-41,Top Floor,Back Side,Dilshad Colony, New Delhi-110095 have changed my name to Chand Akhtar for all future purposes

NAME CHANGE

I, Surjee Mattas w/o Rakesh Ganju R/o D-99, Nawada Housing Complex,Uttam Nagar,New Delhi-110059 have changed my name to Surjee Ganju for all future purposes

NAME CHANGE

I hitherto known as Chaudhary Nadeem warsi S/O Nabeel Ahmad, R/O Mohalla peerzadgan, Dachhraon, VTC: Dhanaura Grameen PO: Bachhraon, Sub District: Dhanaura, District: Amroha, Uttar Pradesh -244225, have change my name and shall hereafter be known as NADEEM AHAMAD.

NAME CHANGE

I hitherto known as RINA DEVI W/o AJAY GIRI R/o 652, Dhara Wali Gali, Primari School ke pass, Village Sahibabad, I.E. Sahibabad, Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201010 have changed my name and shall hereafter be known as DURGA DEVI .

NAME CHANGE

I, MANOJ KUMAR TIWARI S/o Sudhir Tiwari R/o 124 PA, PA, Mahuriya Tola, Paru Khas, Paroo, Muzaffarpur Bihar-843112, have changed my name to MANOJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I, MOHAMMED AJAFAR SIDDIQI S/O HAFIZ MOHD AHMAD R/O E-204, E-BLOCK, MCD COLONY, AZADPUR, DELHI-110033 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AZFAR SIDDIQUI

NAME CHANGE

I, Bhardwaj Aditi W/O Shubham Sharma R/O D-906, Emenox LA Solara Greater Noida West, Gautam Budh Nagar, UP - 201306 have changed my name to Aditi Bhardwaj for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Iram D/O Mohd Anjar R/O House Numder-b/18, Rajeev Nagar, Sri RAM Colony, Dayalpur, North East Delhi, Delhi Pin-110094 Have Changed My Name to Jannat for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as LAKKI alias LUCKY S/O ADESH R/o House No.00, Rewri Rewra, Rewadi Kheda, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206 have changed my name and shall hereafter be known as LUCKY.

NAME CHANGE

I, hitherto known as GARGI SHARMA alias GARGI W/O Jitendra Kumar Sharma R/O A-119, First Floor, Near K.L. International School, Somdutt City, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh-250004, have change my name and shall hereafter be known as GARGI SHARMA.

NAME CHANGE

It is for general information that I MD ANAS ABASSI S/o MD. IRFAN , R/o House NO. 119, Near Nifisa Masjid, Sarai Kale Khan, Dist: South Delhi, Delhi - 110013, declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHD ANAS and SH MOHD IRFAN in my Driving License No. DL03 20069179979. The actual name of mine and my father are MD ANAS ABASSI and MD. IRFAN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Deepak Kumar S/O: Moolchand, R/O 827, shernagar, VTC: Muzaffarnagar, PO: Muzaffarnagar, District: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh- 251001, have changed the name of my minor son Tanish aged 15 years and he shall hereafter be known as TANISHQ.

NAME CHANGE

I,SAKSHI MAKKAR, W/O VAISHNAV KUMAR, R/O 1A/4A,FARIDABAD NIT,FARIDABAD,HARYANA-121001,HAVE CHANGED MY NAME TO SAKSHI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DAMBAR SINGH S/O RAJPAL SINGH R/O 16K, Sonda Habibpur, Saudahavipur, Bulandshahr, Uttar Pradesh-203132 have changed the name of my minor son LAKSH aged 15 years and he shall hereafter be known as LAKSHYA SOLANKI.

NAME CHANGE

I Divya w/o Ashutosh Bohidar R/o E-1/8/1 sector 15 Rohini Delhi 110089 have changed my name to Divya Srivastava for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sangeeta Vaish, W/O Sanjay Kumar, R/O 285-C, Paschim Vihar Extension, Delhi-110063 have changed my name to Sangeeta Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sanjay, S/O Ved Prakash, R/O 285-C, Paschim Vihar Extension, Delhi-110063 have changed my name to Sanjay Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Manoj Kumar s/o M R Malhotra R/o BH -217 East Shalimar Bagh North west Delhi-110088 have changed my name to Manoj Malhotra for all future purposes

NAME CHANGE

I, Ankur Singh S/o Kushal Pal Singh R/o Village Heempur, Manak PS-Kotwali, Kotwali Dehat, District Bijnor, Uttar Pradesh-246764 have changed my name to Ankur Kumar

NAME CHANGE

It is for general information that I, Manoj Kumar S/o Krishan Bihari Lal R/o 81, 2 Floor, B-Block, Mahindra Enclave, Shastri Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 declare that name of my father has wrongly written as Krishan Bihari Lal Saxena in my Service Book. The actual name of my father is Krishan Bihari Lal.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Sudhir Thukral** in respect **D.D.A. Built-Up Freehold MIG Flat No. 25-C, Second Floor, in Pocket/Block No. B 1A, Situated at Janakpuri New Delhi-110058,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक विधिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्रीमती नाज़रीन बानो, पत्नी श्री मोहम्मद अयूब खान, निवासी 1100/5, जैतपुर एक्सटेंशन, पार्ट-II. नर्गिस मस्जिद के पास, दक्षिण दिल्ली 110044, के निर्देशानुसार एवं उनकी ओर से यह सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है। यह सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल ने अपरिहार्य व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारणों से अपने पुत्र मोहम्मद कामिल एवं उसकी पत्नी से अपने समस्त सामाजिक, पारिवारिक एवं आर्थिक संबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए हैं तथा उन्हें अपनी वर्तमान एवं भविष्य में अर्जित होने वाली समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल (छ्वद्बह्यश्29) एवं वंचित (छ्वद्गङ्कुह्) कर दिया है। अत: आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति मोहम्मद कामिल अथवा उसकी पत्नी के साथ किसी भी प्रकार का ऋण, उधार, वित्तीय लेन-देन, अनुबंध अथवा अन्य कोई व्यवहार करता है, तो वह पूर्णत: अपने जोखिम, उत्तरदायित्व एवं परिणामों पर करेगा। मेरी मुवक्किल ऐसे किसी भी लेन-देन, ऋण, दायित्व, उत्तरदायित्व अथवा उनके किसी भी कार्य के लिए किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगी। यह सार्वजनिक सूचना आम जनता की जानकारी हेतु जारी की जाती है।

गगन गुप्ता अधिवक्ता
चैंबर नं. E-424. श्व-ब्लॉक
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती करूणा देवी (पत्नी श्री सत्य नारायण) एवं श्री रोहित (पुत्र श्री लखी राम), प्रॉपर्टी नंबर K-21/38-A (50 वर्ग गज भूमि, जो खसरा नंबर 557 का हिस्सा है), स्थित गाँव घोंडा गुर्जान खादर, K-ब्लॉक, गली नंबर 9, वेस्ट घोंडा, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053 के मालिक हैं। यह मालिकाना हक दिनांक 23.03.2026 की रजिस्टर्ड GPA (दस्तावेज़ संख्या 2026/12/IV/536, बुक नंबर 4, वॉल्यूम नंबर 12136, पेज नंबर 95-106, SR-IV, नॉर्थ ईस्ट सीलमपुर में रजिस्टर्ड) तथा ATS (एग्रीमेंट टू सेल), एफिडेविट, रसीद, कब्जा पत्र एवं वसीयत के आधार पर है, जिसे श्री सूरज सिंह (पुत्र श्री शीतल सिंह) द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती संगीता को बेची जा रही है तथा इसके लिए स्र्ब्नत्न इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वित्त (Finance) लिया जा रहा है। अत: आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा, हित, अधिकार, आपत्ति अथवा विवाद हो, तो वह इस सूचना के 07 (सात) दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज़ों सहित सूचित करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा आगे की कार्यवाही बिना किसी अन्य सूचना के पूर्ण कर दी जाएगी।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री अनुभव पोपली ने नीचे दी गई संपत्ति के संबंध में आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड से गृह ऋण के लिए आवेदन किया है:
संपत्ति का विवरण:
प्लॉट संख्या 176 और 176-ए पर निर्मित, 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली, रेक्ट संख्या 32, किला संख्या 18 और 23 में स्थित, ख्याला कॉलोनी (चांद नगर के नाम से जानी जाती है), नई दिल्ली में स्थित संपत्ति संख्या WZ-56-ए की छत के अधिकारों सहित पूरी तीसरी मंजिल। श्री अनुभव पोपली ने घोषणा की है कि वे अपनी माता, स्वर्गीय श्रीमती रेनू बाला के निधन के बाद उपर्युक्त संपत्ति के एकमात्र और पूर्ण स्वामी हैं।
उक्त संपत्ति या स्वर्गीय श्री चमन लाल और/या स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा देवी उर्फ कृष्णा रानी की संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, हिस्सा, ग्रहणाधिकार, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर सहायक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में इसकी सूचना देने का अनुरोध किया जाता है। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो ऐसे सभी दावे निरस्त और अमान्य माने जाएंगे। संपत्ति से संबंधित लेन-देन स्वामी के साथ आगे बढ़ेगा, और इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे या विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991116006

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Rahul Malhotra S/o Mr. Ramesh Malhotra is the owner and in possession of a Freehold Residential Property id no. 1B426AE7, Property no. 869A/5 area measuring 200 Sq. Yds., out of khewat No. 298, Khatoni No. 440, Must. No. 68, Killa No. 10/2 (0-18),, Situated at waka mauja Badkhal, Tehsil Badkhal, District Faridabad, Haryana., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 21.05.2024 As Doc. No. 1354, in Book No. 1 on dated 21.05.2024, SR-Badkhal., in the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed dated 26.11.2018 executed by Mrs. Kavita in favour of Mrs. Ruchi Jain duly regd. As Doc. No. 6910, in Book No. 1 on dated 26.11.2018, SR-Badkhal. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch NIT Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सलमानी मोहम्मद समीर (प्रस्तावित उधारकर्ता) संपत्ति संख्या 4 एवं 4-ए में निर्मित संपूर्ण प्रथम तल (बिना छत के अधिकार सहित), जो कुल 90 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली संपत्ति का भाग है तथा खसरा संख्या 31/15, स्थित ग्राम हस्तसाल, दिल्ली राज्य, हस्तसाल एक्सटेंशन, वर्तमान में राज हंस विहार, मार्बल ब्लॉक, विकास नगर, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110039 में अवस्थित है। उक्त संपत्ति श्री लाल सिंह से क्रय की जानी प्रस्तावित है, श्री लाल सिंह ने उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री जितेन्द्र सिंह द्वारा निष्पादित सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत दिनांक 18.04.2022 के आधार पर प्राप्त किया है, उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, दावे, वाद-विवाद अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकार से मुक्त बताई गई है तथा उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री लाल सिंह के पास है, उक्त संपत्ति पर Aditya Birla Housing Finance Limited, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा द्वारा वित्तीय सहायता (ऋण) प्रदान किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का दावा, अधिकार, आपत्ति अथवा हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिवस के भीतर अपना लिखित आपत्ति-पत्र आवश्यक अभिलेखों सहित अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक एवं ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति का कोई दावा, अधिकार अथवा हित शेष नहीं है तथा बाद में प्राप्त होने वाला कोई भी दावा या आपत्ति उक्त संपत्ति के संबंध में निरस्त एवं अमान्य मानी जाएगी।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बबली संपत्ति की स्वामिनी हैं, प्लॉट, क्षेत्रफल 25 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 119, स्थित ग्राम बसई बराउद्दीनपुर नगर, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में अवस्थित है, उक्त संपत्ति उनके नाम विक्रय विलेख के माध्यम से दस्तावेज संख्या 11057, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 15040, पृष्ठ संख्या 255 से 270, दिनांक 09.12.2025, कार्यालय उप-पंजीयक, नोएडा-II, जनपद गौतम बुद्ध नगर में पंजीकृत है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की स्वामित्व श्रृंखला में श्री सत्तन द्वारा निष्पादित Original विक्रय विलेख दिनांक 06.06.2013, दस्तावेज संख्या 6550, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 5093, पृष्ठ संख्या 129 से 140, कार्यालय उप-पंजीयक, गाजियाबाद में दिनांक 06.06.2013 को पंजीकृत, मूल रूप में गुम हो गया है। इस संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या रू्र ह्रश. 487041/2026 दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, दावे, वाद-विवाद अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकार से मुक्त बताई गई है तथा उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा वर्तमान में श्रीमती बबली के पास है, उक्त संपत्ति पर Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा- Noida, Uttar Pradesh द्वारा वित्तीय सहायता (ऋण) प्रदान की जानी प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा, अधिकार अथवा हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिवस के भीतर अपना लिखित आपत्ति-पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को पंजीकृत डाक द्वारा नीचे दिए गए पते पर तथा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार या आपत्ति शेष नहीं है तथा बाद में प्राप्त किसी भी प्रकार का दावा या आपत्ति उक्त संपत्ति के संबंध में निरस्त एवं अमान्य मानी जाएगी।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Meenu W/o Mr. Satyaveer is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 89 area measuring 100 Sq. Yards. i.e. 83.61 Sq. Mtrs, out of Khasra No. 1504 Situated at Brj Vihar Township, Village Loni Chakbandi, Pargana Tehsil Loni & District Ghaziabad, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 14.11.2025, duly registered as Document No. 20611, in Book No. 1, Volume No. 7686, on pages 219 to 238, on 14.11.2025, with the Sub-Registrar SR Loni, Ghaziabad., in the chain documents below mentioned document not available i.e., (1) Original Sale Deed dated 19.06.2006 in favour of Mr. Azad Singh as Doc no. 15472, Book no. 01, Vol no. 7025 Page no. 209-224 SR- GZB & (2) Original General Power of Attorney (Regd.), ATS & Will dated 14.09.2018 executed by Mr. Azad Singh in favour of Mr. Mandeep as Doc no. 6496, Vol no. 1629 Page no. 335-348 SR- GZB-IV., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too be Mrs. Kamlesh and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Rohini Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

संसेक्स 889 , निफ्टी 265 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव घटने से भी बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 889 अंक उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 265 अंक बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 बढ़त रही। आज रियल एस्टेट के अलावा सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में बढ़त रही।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों को नुकसान हुआ।

निवेशकों को आज बाजार पूंजीकरण बढ़ने से एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण आज पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया।वहीं इससे पहले आज सुबह पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बाद भी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 701.41 अंक की उछाल के साथ 77,467.33 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 204 अंक चढ़कर 24,190.40 के स्तर पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में लगातार चौथे सत्र में मजबूत रुख के साथ ही पांच पैसे उछलकर र 95.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.82 पर बंद हुआ था। इससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.14 पर रहा।

फेड का वेट एंड वॉच रुख- जुलाई में ब्याज दरें यथावत रहने के आसार

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की जुलाई बैठक पर दुनियाभर के निवेशक टकटकी लगाए हुए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है, जिससे नए फेड चेयरमैन केविन वॉर्श के सामने चुनौती बढ़ गई है। वॉर्श महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की अपनी प्राथमिकता दोहरा चुके हैं। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इन सब के बावजूद फेड इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। बाजार के जानकारों के अनुसार, 28-29 जुलाई को होने वाली फेड की बैठक में ब्याज दरों को लगातार चौथी बार 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में ही रखा जा सकता है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में जारी तनाव का महंगाई पर पड़ने वाले असर को लेकर बनी अनिश्चितता है। फेड फिलहाल 'इंतजार और स्थिति पर नजर रखने' (वेट एंड वॉच) की रणनीति अपनाएगा। फेड आर्थिक आंकड़ों के आधार पर ही फैसला लेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, जीडीपी ग्रोथ अच्छी है और रोजगार बाजार भी सशक्त है। सामान्य परिस्थितियों में ऐसे मजबूत संकेत ब्याज दर बढ़ाने का दबाव बनाते हैं। हालांकि, अर्था भारत ग्लोबल मल्टीप्लायर फंड की नचिकेता सावरिकर का भी अनुमान है कि मौजूदा हालात में फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और फिलहाल प्रतीक्षा नीति पर कायम रहेगा।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.49 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.08 फीसदी कमजोर रहा। वहीं, हांगकांग का हेंगसेंग 1.45 फीसदी बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख देखने को मिला। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा। डाउ जोंस 1.03 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.21 फीसदी की बढ़त रही। जबकि नेस्डेक कम्पो जिट 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएचईएल को नाइजीरिया से मिला मेगा ऑर्डर

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया में एक महत्वपूर्ण ठेका मिला है। कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी को आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति और उनकी स्थापना-चालू करने की निगरानी भी करेगी। यह ठेका कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जीता गया है और इसे अफ्रीका के सबसे बड़े डांगोटे समूह ने दिया है। इन टर्बाइन पैकेजों का विनिर्माण बीएचईएल की हैदराबाद व बेंगलुरु इकाइयों में होगा। इसमें परियोजना स्थल पर इनकी स्थापना और चालू करने की निगरानी भी शामिल है।

फेड बैठक से पहले सोने में गिरावट, चांदी में भी तेजी

सोने का भाव 243 रुपए टूटा, चांदी 815 रुपए उछली

नई दिल्ली ।

फेड रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक से पहले बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे, वहीं चांदी ने शुरुआती तेजी बरकरार रखी। वैश्विक बाजार में भी कमोडिटी एक्सचेंज (कॉमेक्स) पर सोने में नरमी जबकि चांदी में मजबूती देखी गई, जो आगामी मौद्रिक नीति निर्णयों के प्रति बाजार की सतर्कता को दर्शाता है। फेड रिजर्व की बैठक से पहले बुधवार को सर्राफा बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के अगस्त वायदा अनुबंध की शुरुआत 104 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,519 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। खबर लिखे जाने तक यह 243 रुपये की कमजोरी के साथ 1,41,380 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,41,623 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

डीमार्ट ने शुरू किया फार्मेसी बिजनेस, दवाओं पर 20 फीसदी तक छूट

मुंबई में चुनिंदा स्टोर्स में शुरू हुआ शॉप-इन-शॉप मॉडल

मुंबई ।

रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) ने अब हेल्थकेयर सेक्टर में कदम रखा है।

अपने रोजाना कम कीमत मॉडल के लिए मशहूर यह कंपनी राधाकिशन दमानी की अगुवाई में मुंबई में फार्मेसी रिटेल बिजनेस का पायलट प्रोजेक्ट चला रही है, जहां ग्राहकों को दवाओं पर 20 फीसदी का सीधा डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह पहल दवाओं के बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की तैयारी में है। डीमार्ट अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिफ्लेक्ट हेल्थकेयर एंड रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (आरएचआरपीएल) के माध्यम से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में शॉप-इन-शॉप मॉडल पर फार्मेसी काउंटर संचालित कर रहा है।

इससे कंपनी को नए स्टोर के किराए और ग्राहक अधिग्रहण लागत से बचने में मदद मिल रही है। आरएचआरपीएल ने वित्त वर्ष 24-25 में 12.92 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, हालांकि विस्तार के कारण घाटा भी बढ़कर 2.45 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी की 20 फीसदी सीधी छूट नीति से पड़ोस की केमिस्ट दुकानों के मुनाफे पर बड़ा असर पड़ सकता है, साथ ही ई-फार्मेसी कंपनियों के लिए भी चुनौती खड़ी हो रही है ।

जो होम डिलीवरी पर भारी खर्च के बावजूद मुनाफे के लिए संघर्ष कर रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने डीमार्ट के इस मॉडल की दीर्घकालिक स्थिरता पर सवाल उठाए हैं।

, खासकर दवाओं के जटिल इन्वेंट्री मैनेजमेंट और इतनी बड़ी छूट को बनाए रखने की चुनौती को लेकर। डीमार्ट के पास देश भर में 503 स्टोर्स का विशाल नेटवर्क है, जो सफल पायलट के बाद बड़े पैमाने पर लॉन्च का आधार बन सकता है।

पेटीएम पेमेंट बैंक बंद- जानिए क्या होगा और क्या नहीं!

आरबीआई ने नियमों का पालन न करने के कारण बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट बैंक (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग अप) करने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें बैंक का लाइसेंस रद्द करने के बाद उसकी संपत्तियों और देनदारियों के निपटारे की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के इस निर्देश के साथ ही बैंक के मामलों को निपटाने के लिए एक आधिकारिक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त कर दिया गया है। आरबीआई का आरोप था कि पेटीएम पेमेंट बैंक लगातार नियामकीय नियमों का पालन करने में विफल रहा था। ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक ने पहले मार्च 2022 में बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। इसके बाद 2024 में भी नए डिपॉजिट लेने और कुछ बैंकिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। लगातार नियमों से जुड़े मुद्दों के बाद अंततः बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक पूर्व चीफ जनरल मैनेजर गिरिकुमार एम. नायर को आधिकारिक लिक्विडेटर नियुक्त किया है। लिक्विडेटर बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियां ग्रहण करेगा और

उसकी संपत्तियों, देनदारियों के साथ-साथ ग्राहकों से जुड़े दावों का कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निपटारा करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पेटीएम पेमेंट बैंक के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि पेटीएम ऐप की सभी सेवाएं रुक जाएंगी। पेटीएम वालेट, यूपीआई पेमेंट, क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स और मर्चेंट पेमेंट जैसी सुविधाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। पेटीएम ने अपनी डिजिटल पेमेंट सेवाओं के लिए अन्य बैंकिंग पार्टनर्स के साथ पहले ही करार कर लिया है। यदि किसी ग्राहक का पैसा पेटीएम पेमेंट बैंक खाते या वॉलेट में है, तो लिक्विडेटर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके दावों का निपटारा करेगा।

एमिरेट्स ने शुरू की क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान की सुविधा

शुरुआती चरण में यूएई के पात्र निवासी कर सकेंगे उपयोग

दुबई ।

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मुनाफे वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन एमिरेट्स ने डिजिटल भुगतान को अपनाते हुए एक ऐतिहासिक पहल की है। अब ग्राहक अपनी उड़ानों के लिए क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे।` क्रिप्टो डॉट कॉम पे के साथ साझेदारी से, यह सुविधा ग्राहकों को सीधे अपने डिजिटल वॉलेट से टिकट बुक करने की अनुमति देगी। यह कदम ग्राहकों को भुगतान के अधिक विकल्प देने की एमिरेट्स की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर आज की युवा और डिजिटल-जागरूक पीढ़ी को लक्षित करते हुए। एमिरेट्स के एक प्रमुख ने इसे ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव का हिस्सा बताया। शुरुआती चरण में यह सुविधा केवल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उन पात्र निवासियों के लिए उपलब्ध होगी जो अमीराती दिरहम (एईडी) में अपनी बुकिंग करेंगे। यात्री एमिरेट्स की वेबसाइट और ऐप पर चेकआउट के दौरान इस विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। अपनी लग्जरी सुविधाओं और वैश्विक नेटवर्क के लिए मशहूर एमिरेट्स, जिसने हाल ही में 5.4 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड लाभ कमाया है, अब क्रिप्टो भुगतान के जरिए प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी में है, जिससे उसकी डिजिटल उपस्थिति और मजबूत होगी।

एथनॉल उत्पादन के लिए सरकार ने घाटे में बेचे 63.5 लाख टन चावल

सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारी मात्रा में चावल डिस्टलरियों को कम कीमत पर उपलब्ध कराए हैं, जिससे सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया कि उसने जिस कीमत पर चावल खरीदा था, उससे काफी कम दाम पर उसे एथनॉल बनाने के लिए बेचा गया है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि चावल से बनने वाले एथनॉल की उत्पादन लागत कच्चे तेल आधारित पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज़्यादा है। पिछले एक साल में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने लगभग 63.5 लाख टन चावल एथनॉल बनाने वाली डिस्टलरियों को 14,596.78 करोड़ रुपये में बेचे हैं। यह चावल 2,250 रुपये से 2,320 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराए गए थे। इसके विपरीत सरकार ने इन्हीं चावलों को किसानों से 3,720 रुपये से 3,889 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा था, जिसमें खरीद मूल्य, भंडारण, परिवहन और श्रम लागत शामिल थी। इस भारी अंतर के बावजूद, सरकार का दावा है कि उसने एथनॉल कंपनियों को कोई सब्सिडी नहीं दी है और चावल खुले बाजार मूल्य पर बेचा गया है, हालांकि स्पष्ट वित्तीय नुकसान साफ दिखता है। हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों ने सबसे ज्यादा चावल एफसीआई से खरीदे हैं। यह वित्तीय खाई भविष्य में भी बढ़ने की आशंका है। अगले वित्त वर्ष के लिए भी एफसीआई ने 72 लाख टन चावल बेचने की योजना बनाई है, जिसकी अनुमानित बिक्री कीमत 23,900 करोड़ रुपये है, जबकि इसकी वास्तविक लागत लगभग 43,100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। चावल से एथनॉल बनाने की लागत भी चिंताजनक है।

आरडी इंडस्ट्रीज का 426 करोड़ का आईपीओ 5 अगस्त से

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र की कंपनी में निवेशक 5 से 7 अगस्त तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली ।

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र में कार्यरत आरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 426 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए प्रति शेयर 50-53 रुपए का मूल्य दायरा तय किया है। बड़े (एंकर) निवेशक 4 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ 7 अगस्त को बंद होगा। निर्गम में 320 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जबकि प्रवर्तक 1.99 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। नए शेयर से 220 करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी और 22 करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होंगे। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ का पुनर्चक्रण कर शुद्ध सीसा एवं सीसा मिश्रधातु का विनिर्माण करती है। कंपनी के शेयर 12 अगस्त को सूचीबद्ध हो सकते हैं।

बढ़ती कीमतों पर लगाम, चीनी डीलरों के लिए स्टॉक सीमा तय

30 दिन से अधिक स्टॉक रखने पर रोक, अधिकतम 4000 क्विंटल की सीमा भी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में चीनी डीलरों के लिए स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है।

अब कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक समय तक स्टॉक नहीं रख सकेगा, और न ही किसी भी समय 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी स्टॉक में रख पाएगा। यह आदेश 1 अगस्त से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगा। सरकार का यह निर्णय पिछले तीन महीनों में चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 39 रुपए से बढ़कर 45 रुपए प्रति किलोग्राम तक की वृद्धि के बाद आया है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और चीनी (नियंत्रण) आदेश, 2025 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। इससे पहले, चीनी डीलरों पर ऐसी कोई मात्रात्मक पाबंदी नहीं थी, हालांकि चीनी मिलों के लिए मासिक बिक्री कोटा तय किया जाता था। मानसून की कमी के पूर्वानुमान और कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयासों के तहत केंद्र ने पहले ही चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है। उद्योग निकाय इस्मा के एक अधिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह देश में चीनी की स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा।

वैज्ञानिकों के पलायन पर आईएसआरओ सख्त, छोड़ी नौकरी तो लगेंगे कड़े नियम

कार्यबल में बड़ी गिरावट, वेतन को लेकर चिंताएं बनी इस्तीफों का मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से लगातार हो रहे वैज्ञानिकों के पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए, अंतरिक्ष विभाग ने अब देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों में कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए नौकरी छोड़ने के नियमों को कड़ा कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इसरो का कार्यबल लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इस्तिफ्यों के बढ़ते आंकड़ों ने इसरो के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। वर्ष 2017 में जहां इसरो में 16,072 लोग कार्यरत थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर 14,637 पर आ गई है। स्वीकृत पदों के मुकाबले काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी में भी गिरावट दर्ज की गई है। विशेष रूप से, वर्ष 2021 के बाद से वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या में भी कमी आई है। इस पलायन का एक प्रमुख कारण कर्मचारियों के लिए वेतन संबंधी चिंताएं मानी जा रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, इसरो के छह प्रमुख प्रभागों में राजस्व व्यय के मुकाबले वेतन पर होने वाला व्यय लगातार घट रहा है, जो असंतोष का मुख्य कारण है।

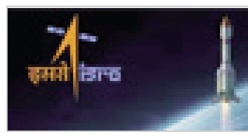

सरकार का यह कदम प्रतिभा पलायन को रोकने और महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि देश के अहम मिशनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

ललित गर्ग

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो।

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी

असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दर्शाया। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

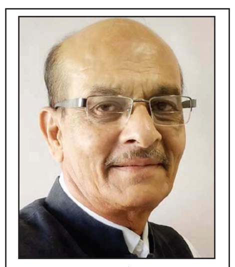

सनत जैन

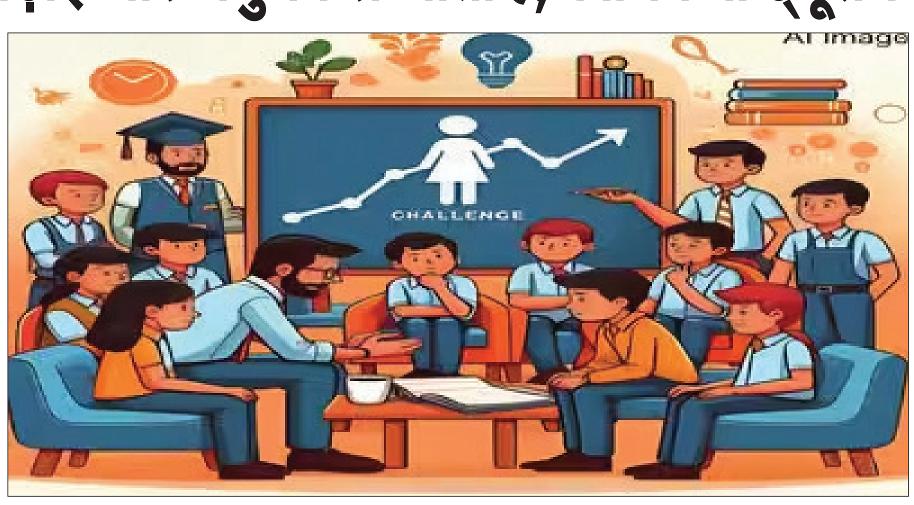

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

झुर्रियों के लिए करें एक्स्ट्रा केयर

प्रदूषण धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौडभाग न जाने कितनी चीजों का सामना करना पडता है हमारी त्वचा को। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां पड जाती हैं। यदि चेहरे व शरीर की त्वचा की सही देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

झुर्रियां क्यों पडती हैं

- समय के साथ त्वचा का प्राकृतिक तेल नष्ट होने लगता है और त्वचा में सूखापन आने लगता है। रूखी त्वचा पर पपडी वाले चकत्ते पड जाते हैं। त्वचा में नमी व चिकनाई का अभाव हो जाता है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास भी लकीरें उभरने लगती हैं। गर्दन व गालों पर झुर्रियां पडने लगती हैं।
- सूर्य की तेज किरणें भी त्वचा की शत्रु हैं। वैसे तो शरीर के स्वास्थ्य के लिए सूर्य की किरणों से मिलने वाला विटमिन डी अति आवश्यक है, परंतु चेहरे की मुलायम त्वचा को सूरज की तेज किरणों से बचाना आवश्यक होता है। अन्यथा चेहरा झुलस सकता है। तेज यूवीए और यूवीबी किरणों से त्वचा का कैंसर तक होने का खतरा होता है।
- त्वचा हर क्षण, हर मौसम में बदलती है। उदाहरण स्वरूप खुशी के माहौल में, ठहाके लगाते समय हमारी त्वचा में अतिरिक्त निखार और चमक आ जाती है। जब हम दुखी और गमगीन माहौल या मूड में होते हैं तो हमारी त्वचा कुम्हला जाती है।
- तेल ग्रंथियों के कम सक्रिय होने की वजह से त्वचा में रूखापन आ जाता है। रूखी त्वचा खुश्की का शिकार होती है, जिसकी वजह से जल्दी झुर्रियां पडती हैं।

झुर्रियां कैसे दूर करें

असमय झुर्रियों के लिए आप क्या करें और क्या न करें, जानें-

क्या करें

- त्वचा को हमेशा साफ रखें, तेज डिटरजेंट के इस्तेमाल से बचें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें। मौसम परिवर्तन होने पर तेज गर्म पानी से नहाने के बजाय ठंडे या गुनगुने पानी से ही नहाएं। मुंह में पानी भर कर ठंडे पानी से छींटे मारें। झुर्रियां कम होंगी।
- सिबेशियस ग्रंथि से निकलने वाला सीबम त्वचा को नर्म और लचीला बनाता है। इसीलिए त्वचा को रूखा न रहने दें। रूखी त्वचा पर झुर्रियां जल्दी पडती हैं। ऐसे में अतिरिक्त नमी प्रदान करने के लिए मॉयस्चराइजिंग लोशन का प्रयोग करें।
- त्वचा की कोशिकाएं नमी के अभाव में निष्क्रिय होने लगती हैं। अत: रूखी त्वचा वालों को नमीयुक्त सौंदर्य प्रसाधन ही इस्तेमाल करने चाहिए।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।

क्या न करें

- अधिक समय तक तेज धूप से अपनी त्वचा को बचाएं। यदि धूप में जाना ही पडे तो छाते या लेडीज हैट का प्रयोग करें।
- भोजन पर नियंत्रण रखें। पौष्टिक आहार त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। भोजन में प्रोटीन, वसा, फल, हरी सब्जियां, विटमिंस तथा खनिजों की कमी न होने दें। माडयुक्त भोजन अधिक न लें।
- अनावश्यक या जबर्दस्ती न मुसकराएं और न ही बनावटी भाव भंगिमाएं प्रदर्शित करें। स्वाभाविक तरीके से हंसे और मुसकराएं।
- धूम्रपान न करें। धूम्रपान से भी असमय त्वचा पर लकीरें उभर आती हैं।

त्वचा पर कसाव लाने वाले पैक

- एक अंडे में एक चम्मच संतरे का पाउडर और नीबू की चार बूंदें, चार चम्मच थर्मो पैक, दो चम्मच मुलतानी मिट्टी और दो चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर गाढा सा क्रीम जैसा पैक बनाएं। इसे 20-25 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। ऐसा सप्ताह में एक बार नियमित रूप से करें। पैक लगाने से पहले अरोमा ऑयल या बादाम के तेल से 15-20 मिनट तक हलके हाथों से चेहरे की त्वचा पर नीचे से ऊपर की तरफ मालिश करें।
- इसके अलावा केले को मसल कर उसमें थोडा सा शहद मिलाएं। उसके बाद सूखी त्वचा पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड दें।
- अंडे का पीला भाग, आधा चम्मच शहद, दो बूंद नीबू का रस, बादाम के तेल की 4-6 बूंदें और दो बूंद ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाने से मेकअप के पहले की तैयारी में त्वचा पर अच्छा प्रभाव पडेगा।
- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने व फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- मूली कस कर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। एक घंटे बाद हलके गरम पानी से धो दें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें। रात भर पडे रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं। ऐसा करने से त्वचा में गजब का कसाव आ जाएगा।

मावा काजू गोटा

सामग्री : 100 ग्राम मावा, 2 आलू (उबले व मैश किए हुए), 1/4 कप हरी धनिया, 3-4 ब्रेड स्लाइस (मिक्सर में क्रश कर लें), 1 टीस्पून अदरक-मिर्ची का पेस्ट, 1 टीस्पून गरम मसाला, 1/4 टीस्पून कालीमिर्च पाउडर, 1 नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

भरने के लिए : थोड़े से काजू व डिब्बाबंद पाइनेप्पल।

विधि : गोटे की सभी सामग्रियों को मिला लें। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर काजू और पाइनेप्पल को स्टफ करके गोल गोटे बना लें। सुनहरा होने तक तलें।

करें कपड़ों की देखभाल

कपड़े पहनने का शौक हर इंसान को होता है। ऐसे तो सभी कपड़ो की देखभाल जरूरी है पर कीमती कपड़ों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। बिना सही देखभाल के कपड़ों की चमक खत्म हो जाती है, कुछ बातों का जरा ध्यान देने पर कपड़ों की सही देख-भाल की जा सकती है

- डिटरजेंट हमेशा अच्छी क्वालिटी का ही लें। सूती, ऊनी, रेशमी कपड़ों के लिए अलग-अलग डिटरजेंट का इस्तेमाल करें।
- शीशे या मोती जड़े कपड़े मशीन में न धोएं। मशीन के तेज घूमने से ये टूट सकते हैं या निकलकर चक्के में फंस सकते हैं।
- कई बार ज्यादा साबुन के प्रयोग से कपड़े पीले और रंगहीन हो जाते हैं। डिटरजेंट का इस्तेमाल जरूरत से न कम न ज्यादा करें। कई महिलाएं मानती हैं कि जितना साबुन रगड़ा जाएगा कपड़े उतने ही साफ धुलेंगे। यह धारणा सही नहीं है।
- कपड़े खरीदते समय मैन्युफेक्चरर कंपनी द्वारा कुछ सावधानियां दी जाती हैं, उनका पालन अवश्य करें।
- कंपनी द्वारा दी गई सावधानी पर निर्भर रहते हुए, कपड़ों को गर्म या ठंडे पानी में धोएं और छाया में सुखाएं।
- चमड़े का जैकेट, कंबल आदि कभी न घर में धोएं। महंगे कपड़े जो धोने में खराब हो सकते हैं, इन्हें ड्राइक्लीन करवाएं।
- रंग छोड़ने वाले कपड़ों ज्यादा देर तक पानी में न भिगोएं। उनका रंग निकल जाता है।
- बाजार में कलर फिक्सर मिलते हैं। इनमें निर्देशानुसार कपड़ों को भिगोएं, इससे कपड़ों का रंग नहीं निकलेगा।
- सिल्क की साड़ी यदि घर में धोनी है तो साबुन में दो चम्मच मिट्टी का तेल डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। साड़ी की चमक बनी रहेगी।
- रेशमी कपड़ों को नहाने के साबुन या रीठे के घोल से धो सकती हैं।
- रेशमी कपड़ों को गुनगुने पानी से हल्के हाथ से रगड़कर धोएं। इन्हे कभी कस कर नहीं निचोड़े। हल्का सा दबाकर पानी निकालें और उल्टा करके छाया में सुखने दें। ऐसे कपड़ों को कभी भी धूप में ना सुखाएं।
- रेशमी कपड़ों को धोने के बाद बिना सुखाए न छोड़े वरना कपड़ों में सिकुड़न पड़ सकती है।

सौंदर्य टिप्स

- पुदीने की चटनी बनाते समय पुदीने की पत्तियों को पीस कर एक चम्मच अलग रख लें। फिर उसमें चंदन का तेल, घिसी हुई जायफल और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। दो घंटे बाद धो लें। मुंहासों के उपचार के लिए यह उपाय सबसे बेहतरीन है।
- एक चम्मच चने की दाल को दूध में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पीस कर इसमें हल्दी, मलाई और दो-चार बूंद गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। आधे घंटे बाद धो लें। यह तैलीय त्वचा के लिए प्रभावी उबटन है।
- चेहरे के दाग-धब्बे, त्वचा का सूखापन और झुर्रियां दूर करने के लिए मेथी के पत्तों को पीस कर चेहरे पर पांच मिनट तक लगाएं। फिर साफ पानी से धो लें।
- बढती आयु या अधिक मेकअप की वजह से यदि रोमछिद्र बडे हो गए हों तो नीबू का रस कच्चे दूध में मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- कील मुंहासे, दाग या चेहरे पर निशान लंबे समय तक नारियल पानी लगाने से मिट जाते हैं। यदि नारियल पानी उपलब्ध न हो तो दूध में बताशा भिगोकर या पानी में मिश्री भिगोकर चेहरे पर लगाएं। धीरे-धीरे दाग धब्बे दूर होंगे।
- चेहरे की रंगत निखारने के लिए आंवले के चूर्ण को दाल या सब्जी में अमचूर के स्थान पर डाल कर खाएं। भोजन के बाद आंवले के चूर्ण को फांक लें। इससे खून साफ होता है, त्वचा में निखार आता है।
- बालों की सफेदी हटाने के लिए मेहंदी में आंवला, मेथी दाना, चुकंदर का रस मिलाकर लगाने से वे कुदरती तौर पर काले और चमकदार दिखते हैं।

कारपेट व फर्श की सफाई

- लिनोलियम का फर्श डिटर्जेंट से साफ करें। ब्लीच या सोडा का इस्तेमाल न करें।
- लिनोलियम पर केरोसिन का पोंछा लगाएं। गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी।
- ग्रेनाइट का फर्श साबुन व पानी से धोएं।
- संगमरमर के फर्श को किसी भी क्लीनिंग पाउडर व पानी से ब्रश की सहायता से रगड़ कर साफ करें। फिर केरोसिन मिले पानी से पोंछा लगाएं।
- मैट या कारपेट पर चिपकी चुइंगम को साफ करने के लिए बर्फ के टुकड़े का इस्तेमाल करें।
- नए वूलेन कारपेट को ब्रश के बजाय झाड़ू से साफ करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 1972

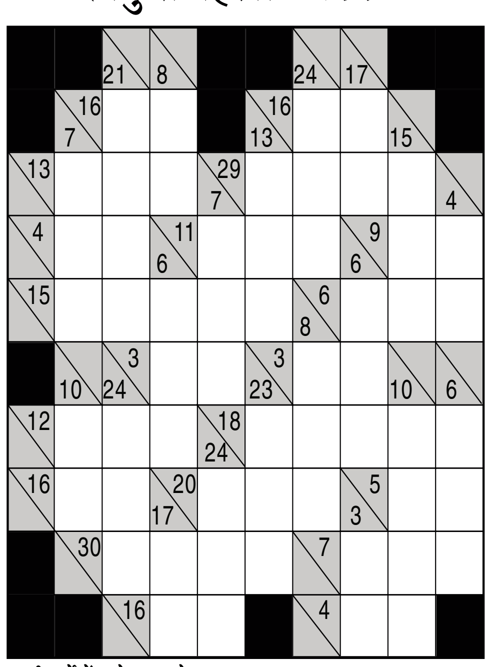

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

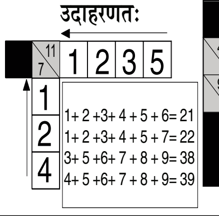

काकुरो - 1971 का हल

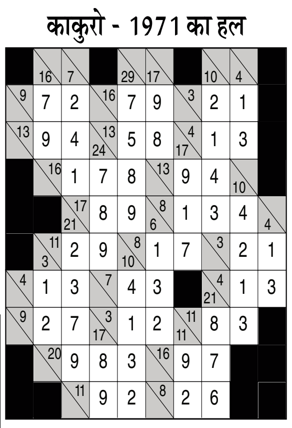

हंसी के फूव्वारें

एक साहब अपने दोस्त से कहने लगे- ''मेरी घरवाली बहुत झुठी है. वह कल दो घण्टे घर से गायब रही और वापसी पर मुझे बताया कि वह अपनी सहेली गीता के साथ फिल्म देखने गई थी !''

''मगर तुम्हें इस बात का पता कैसे चला कि वह झूठ बोल रही है.''

''उस समय मैं गीता के साथ फिल्म देख रहा था.'' साहब ने जवाब दिया.

इस पर दोस्त खामोश हो गया.

□ □ □

एक महिला एक निमन्त्रण में गई.

वहां उसने हर व्यक्ति को अपनी उम्र अलग-अलग बताई. किसी को बीस, किसी को पच्चीस तो किसी को तीस. यह देख उसकी एकमात्र बेटी उसे खींचकर कोने में ले गई और बोली-''मम्मी ! तुम किसी को कुछ भी आयु बताओ ! मगर इतना ध्यान अवश्य रखना कि मेरी और तुम्हारी उम्र में कम-से-कम नौ महीने का अन्तर रहे.''

□ □ □

एक आदमी ने जज से अपनी घरवाली को तलाक देने का कारण बताते हुए कहा- ''मेरी घरवाली ने शादी के बाद से अब तक केवल एक बेटी को जन्म दिया है. मगर मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं एक बेटे का बाप बनूं.''

इस पर पत्नी तमककर बोली-''जज साहब ! अगर मैं इनके भरोसे रहती तो यह बेटी भी नहीं होती !''

फिल्म वर्ग पहेली- 1972

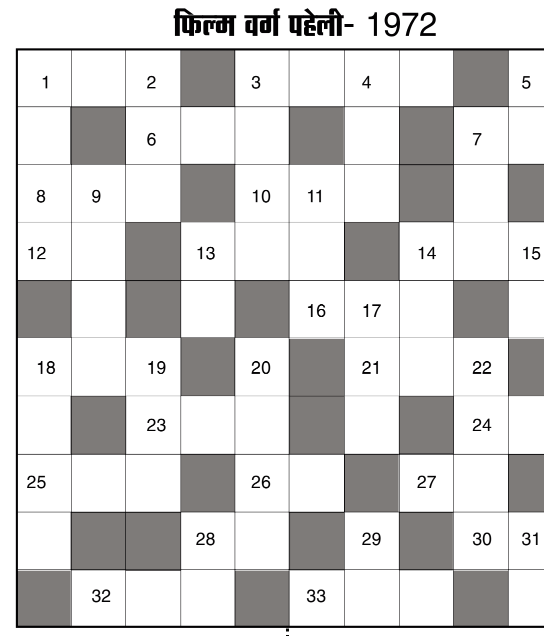

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1971

बै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		र्ची		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -1972

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1971 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 1972

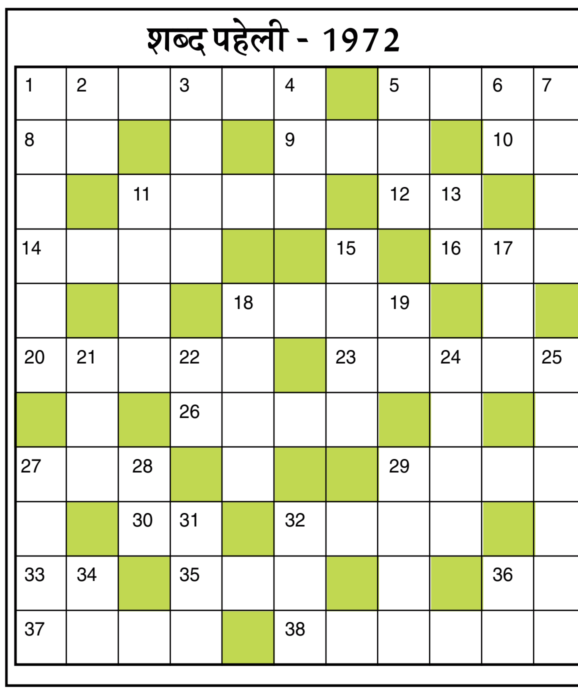

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली - 1971 का हल

उ	प	चा	र		नि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

संक्षिप्त समाचार

बीजिंग में भारत-चीन बैठक संबंधों को सुधारने पर जोर

बीजिंग, एजेंसी। भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सामान्य बनाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रयासों के तहत विदेश सचिव विक्रम मिसरी अपनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन सोमवार को उन्होंने बीजिंग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप-मंत्री सुन हायान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों अधिकारियों के बीच आपसी प्राथमिकता वाले मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता, थिंक-टैंक जुड़ाव, अकादमिक आदान-प्रदान और आम लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिसरी ने चीन की राष्ट्रीय राजनीतिक सलाहकार संस्था के उप-महासचिव होंग लियांग से भी मुलाकात की। इस बैठक में भी दोनों के बीच राजनीतिक और जन-स्तरीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

यूक्रेन को ड्रोन-रोधी एआई तकनीक देगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को इंग्लैंड के एक नौसैनिक अड्डे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी नेता का यह उनका पहला दौरा रहा। बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और न्यायसंगत शांति स्थापित होने तक उसका समर्थन जारी रहेगा। इस दौरान ब्रिटेन ने यूक्रेन को अत्याधुनिक 'स्टोन क्लॉक' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार सौंपने की घोषणा की। यह तकनीक दुश्मन के ड्रोन को भटकाने और नाकाम करने में सक्षम है। दोनों नेताओं ने ब्रिटेन में तीन सप्ताह का सैन्य और समुद्री बारूदी सुरंग रोधी प्रशिक्षण पूरा करने वाले 200 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तान में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 17 वर्षीय किशोरी की उसके चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को ननकाना साहिब जिले में हुई। आरोपी जावेद इकबाल अपनी चचेरी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाजार जाते समय आरोपी ने उसे रोककर दोबारा शादी के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने नजदीक से गोली मार दी, जिससे किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य घटना में रहीम यार खान जिले में 23 वर्षीय युवक का कथित प्रेम संबंध होने पर अपहरण कर उसकी नाक काट दी गई। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका में सरकारी किराना स्टोर प्लान : न्यूयॉर्क सिटी मेयर बोले- खाद्य पदार्थों पर 30 फीसदी छूट

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने सरकारी किराना स्टोर खोलने की योजना बनाई है। सोमवार को उन्होंने फल, मांस व अन्य रसोई के सामान पर 30 फीसदी छूट की घोषणा की। उद्देश्य बढ़ती खाद्य कीमतों को कम करना है। पांच स्टोर शहर के पांचों बरो में खुलेंगे। पहला 2027 के अंत तक ब्रोंक्स में खुलेगा। ममदानी ने कहा, 30 फीसदी छूट से न्यूयॉर्क के लोगों को वास्तविक बचत होगी। दैनिक संचालन के लिए निजी ऑपरेटरों को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रशासन स्टोरफ्रंट, किराया व संपत्ति कर का वहन करेगा। छोटे किराना व्यापारी व बोडेगा मालिक रियायती कीमतों से प्रतिस्पर्धा पर चिंतित हैं। ममदानी ने कहा, स्टोर गर्म भोजन, बीयर या सिगरेट नहीं बेचेंगे, ताकि निजी दुकानों से प्रतिस्पर्धा न हो। मैनहट्टन और ब्रोंक्स में जगह चुन ली गई है।

100 साल पुराने घर में छिपा था गुप्त कमरा, खोलते ही मिला खजाना ; हो गए मालामाल

लंदन, एजेंसी। यूके में एक दंपती को अपने 100 साल पुराने घर में एक गुप्त कमरा मिल गया जिसमें खजाना छिपा हुआ था। 34 साल की लीजा और उनके पति छुट्टियों में अपने पैतृक घर गए थे। यह घर लंबे समय से बंद था और वे दोनों शहर में रहने लगे थे। साफ सफाई के दौरान उन्हें फर्श पर एक जगह ईंट उठी हुई दिखी तो उन्होंने इसे हटाया। अंदर एक कमरे जैसा दिखी दिया। इसके बाद दोनों ने इसे खोलने का फैसला किया। एक दीवार तोड़ने के बाद उन्हें अपने ही घर में एक गुप्त कमरा मिला। इस कमरे में चारों ओर कोयला ही कोयला दिखाई दे रहा था। दोनों ने सोचा कि पुराना कमरा है और इसकी साफ-सफाई करदी जाए। कोयला साफ करते समय उन्हें एक टिन बॉक्स मिला जिसमें जंग लगा हुआ था।

फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है।

हालात इतने खराब कैसे हुए : दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

मैक्रों ने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट क्यों बताया : मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

क्या हीटवेव आग पर काबू पाने में सबसे बड़ी चुनौती बनेगी : हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

क्या फिलहाल आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका है : क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

क्या लोगों को अभी भी घर छोड़ने की जरूरत पड़ रही है : सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

आग को रोकने के लिए जमीन पर कैसी तैयारी की जा रही है : आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

कौन-कौन से देश फ्रांस और स्पेन की मदद के लिए आगे आए हैं : करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

ट्रंप ने फिर छेड़ी ईवी बनाम पेट्रोल कार की बहस ?: पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की नीति पर साधा निशाना, दी बड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल-डीजल) वाले वाहनों में अपनी पसंद से चुनाव करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की ईवीनीति और ईंधन दक्षता मानकों को समाप्त कर अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान से बचाया।

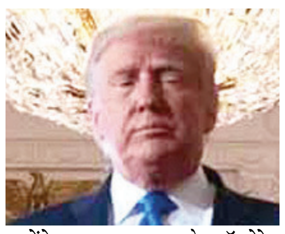

ट्रंप ने ईवी नीति पर क्या कहा : मिशिगन में जनरल मोटर्स के मिलफोर्ड प्रूविंग ग्राउंड के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को खत्म कर दिया था। उनके अनुसार, यदि वह नीति जारी रहती तो अमेरिकी ऑटो उद्योग को भारी नुकसान होता। उन्होंने कहा कि यदि कोई इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहता है तो उसके लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन यदि कोई पेट्रोल-डीजल या अन्य प्रकार का वाहन खरीदना चाहता है तो उसे भी वही स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

रोजगार को लेकर ट्रंप ने क्या चिंता जताई : ट्रंप ने कहा कि इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे मिशिगन जैसे उन राज्यों में रोजगार प्रभावित हो सकता है, जहां बड़ी संख्या में लोग ऑटोमोबाइल उद्योग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बाइडन प्रशासन के कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (CAFE) मानकों को भी समाप्त कर दिया। उनके अनुसार, ये मानक अमेरिकी वाहन कंपनियों को दिवालिया होने की ओर ले जा सकते थे और इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर सकते थे। उन्होंने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, ऐसा नहीं होने देंगे।

टैरिफ और घरेलू उत्पादन पर क्या बोले : ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिका के बाहर बनने वाले वाहनों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि देश में निर्मित वाहनों पर यह लागू नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कंपनियां अमेरिका में उत्पादन बढ़ा रही हैं। उन्होंने जनरल मोटर्स की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने 2026 में ट्रक और एसयूवी उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और पिछले दो वर्षों में अमेरिका में फैक्ट्रियां वापस लाने के लिए 9 अरब डॉलर का निवेश किया है। बाइडन प्रशासन ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्सर्जन और ईंधन दक्षता से जुड़े कड़े मानक लागू किए थे। इन नीतियों में सभी नए वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना अनिवार्य नहीं था।

नाइजीरिया में आधी रात बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत... पूरे इलाके में मचा हड़कंप

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कडुना में रविवार देर रात अज्ञात बंदूकधारियों ने एक समुदाय पर हमला किया, जिसमें बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि स्थानीय मीडिया ने सोमवार को करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। नाइजीरिया के अखबार 'द पंच न्यूजपेपर्स' के अनुसार, कौरू लोकल गवर्नमेंट एरिया के नारिडोन समुदाय में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और घरों के साथ ही दुकानों में भी आग लगा दी, जिससे कई निवासी घायल हो गए। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है।

आधी रात को हुआ अचानक हुआ हमला : अखबार ने कम्युनिटी लीडर्स के हवाले से बताया कि हमला रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11:00 बजे शुरू हुआ। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हमले में स्थानीय निवासी डोगोन राना का घर भी नष्ट कर दिया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बंदूकधारियों ने दूरदराज के समुदाय को घेर लिया और अंधाधुंध हमला किया। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कडुना राज्य में हाल के वर्षों में हिंसक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सांप्रदायिक झड़पें भी शामिल हैं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नाइजीरिया के दक्षिणी राज्य अनाम्ब्रा में रविवार देर रात तीन मंजिला इमारत गिरने के बाद दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। अनाम्ब्रा राज्य में पुलिस के प्रवक्ता टोचुकु इकेन्ना ने फोन पर सिन्हुआ को बताया कि 'एलीट फाइव स्टार लॉज' नाम की इमारत के मलबे से कई घायल लोगों को बचाया गया है। इस इमारत में मुख्य रूप से अनाम्ब्रा में फेडरल पॉलिटेक्निक ओको के छात्र रहते थे। इकेन्ना ने कहा कि सोमवार को बचाव अभियान जारी रहा और आपातकालीन बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस इमारत में आम तौर पर शैक्षणिक संस्थान के छात्रों की भीड़ रहती है।

ट्रंप की धमकी के बाद दहला ईराक; एरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास ड्रोन हमले, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

बगदाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार तड़के उत्तरी इराक का एरबिल शहर जोरदार धमाकों की आवाजों से थर्रा उठा। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बेहद करीब हुए इन विस्फोटों के पीछे ईरान समर्थित ड्रोन हमलों की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताएं चल रही हैं।

दूतावास के पास अफरा-तफरी, कई इलाकों में आग : स्थानीय पुलिस और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एरबिल के उत्तर-पूर्व में स्थित खलिफान और सोरान क्षेत्रों में कम से कम चार ड्रोन हमले दर्ज किए गए। लोगों ने बताया कि एरबिल शहर में एक के बाद एक करीब सात धमाके सुने गए, जिनमें से कुछ अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के आसपास हुए। इन हमलों के बाद प्रभावित क्षेत्रों में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। फुटेज में इराकी कुर्दिस्तान के ऊपर सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम की गतिविधियां भी नजर आई हैं।

अलर्ट पर अमेरिकी सेना : हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि धमाकों के तुरंत बाद एरबिल के आसमान में 10 से अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन गश्त करते देखे गए। हालांकि, पेंटागन या अन्य अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक किसी जानी-नुकसान या जवाबी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गैस क्षेत्र को भी बनाया गया निशाना : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB ने दावा किया है कि यह हमला केवल एरबिल तक सीमित नहीं था। खबरों के मुताबिक, सुलेमानिया प्रांत के खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला हुआ है। इसके अलावा, अल-अनबर प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया गया है, जिसके मलबे की तस्वीरें हदीथा बांध के पास से सामने आने की बात कही जा रही है।

ट्रंप की चेतावनी और वार्ता की अनिश्चितता : यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने बातचीत विफल होने पर कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वर्तमान में ओमान, कतर, पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रखा जा सके और परमाणु समझौते पर सहमति बन सके। लेकिन एरबिल में हुए इन हमलों ने शांति की इन कोशिशों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

टोरंटो में अमेरिका कॉन्सुलेट को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया, पुलिस जांच जारी

टोरंटो, एजेंसी। उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में अमेरिकी कॉन्सुलेट को सोमवार को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया. हमलावर गोलीबारी के बाद फरार हो गया. इस हमले के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस हमलावर की तलाश में जुट गई है. सीबीसी न्यूज के मुताबिक कॉन्सुलेट के पास रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे एक ऑफिसर ने सुबह करीब 4:45 बजे इलाके में गोलियों की आवाज सुनी. ऑफिसर 10 मार्च को उस जगह पर हुई पिछली शूटिंग के बाद वहां तैनात थे.

रिपोर्ट के मुताबिक टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने कहा कि ऑफिसर ने तुरंत एक सफेद होंडा अकॉर्ड को बिना लाइसेंस प्लेट के उस जगह से तेजी से भागते देखा. ऑफिसर्स ने डॉन मिल्स रोड के पास डॉन वैली पार्कवे पर थोड़ी देर गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी की स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज़्यादा होने के बाद सेफ्टी रिस्क की वजह से पीछा रोक दिया. पीछा करने के दौरान एरियल सपोर्ट मौजूद नहीं था.

घटना पर बात करते हुए डिप्टी चीफ बैरेडो ने कहा, 'हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेंगे. उन्होंने शूटिंग को बेशर्मी और घिनौना बताया. सीबीसी न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कॉन्सुलेट के पास से एक शेल केसिंग बरामद की और बिल्डिंग के सामने के हिस्से को नुकसान देखा. घटना के संबंध में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. सीबीसी न्यूज ने बताया कि अमेरिकी एम्बेसी के एक स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल स्टेटमेंट में टोरंटो पुलिस को उनके तेज रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद दिया. मकसद और गाड़ी में सवार लोगों की संख्या की जांच अभी भी जारी है. टोरंटो पुलिस स्पोक्सपर्सन स्टेफ़नी सेयर ने बताया कि डिपार्टमेंट अभी ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस या डरहम रीजनल पुलिस सर्विस के हेलीकॉप्टर पर निर्भर है, लेकिन इस साल के आखिर में उसे अपना एयरक्राफ्ट मिलने वाला है. सोमवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी आनंदसांगरी से शहर में गन वायलेंस और गैर-कानूनी हथियारों की आमद को रोकने के तरीकों के बारे में बात की. मेयर चाउ ने इस शूटिंग को बेशर्म हमला बताया. सीबीसी न्यूज़ के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (ऋष्ट्स्क्क) टोरंटो पुलिस और इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ मिलकर जांच में सहयोग कर रही है. आरसीएमसी सुपरिंटेंडेंट जोनाथन को ने कहा, 'कनाडा में किसी भी व्यक्ति के प्रति धमकी और हिंसा को बहुत गंभीरता से लिया जाता है.' सीबीसी न्यूज ने बताया कि यह घटना 10 मार्च को हुई इसी तरह की घटना के बाद चार महीने से कुछ ज़्यादा समय में डाउनटाउन लोकेशन पर दूसरी शूटिंग है।

अमेरिका में नाबालिगों के लिए एडिक्टिव एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं। वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं। यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग में 19 की मौत, कई जगह मतपेटियां फूंकीं; तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान जबरदस्त खून-खराबा देखने को मिला। एक तरफ पाकिस्तान इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस दौरान हुई हिंसा और पाकिस्तानी रेंजर्स की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रावलकोट में पाक रेंजर्स की बर्बरता : सबसे भीषण हिंसा रावलकोट इलाके में हुई। सूत्रों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी 'मुजफ्फराबाद चलो' लॉन्ग मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर गोलियां चला दीं। इस कार्रवाई में 19 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

भींबर में मतपेटियां फूंकीं : हिंसा की लपटें केवल रावलकोट तक सीमित नहीं रहीं। भींबर जिले में एक मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने एक मतपेटी छीन ली और उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे उसमें रखे सभी वोट जलकर राख हो गए। उधर, कोटली जिले के नकयाल में हुई झड़प में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के एक कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस की मौत की खबर है। पीपीपी ने इस हत्या के लिए अपने राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराया है।

जेएएसी का चुनाव बहिष्कार : यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पीओके का प्रशासन और नागरिक संगठनों का समूह जेएएसी आमने-सामने हैं। जेएएसी ने शासन की विफलता, आर्थिक तंगी और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर इन चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया था। संगठन की मुख्य मांग 1947 के बाद यहां बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना है। पिछले दो महीनों से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद ने इस संगठन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था, जिससे जनता में भारी गुस्सा है।

दमन का नतीजा है यह आक्रोश : पीओके में जारी इस अस्थिरता पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान की ओर से दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कहा था कि अब पाकिस्तान से सिर्फ पीओके पर बात होगी।

रावलकोट के भयावह हालात: सड़कों पर लाशें और खून : रावलकोट में पिछले 52 दिनों से चल रहे 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने खौफनाक रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों के बयान बेहद डरावने हैं। रावलकोट में मौजूद चश्मदीद और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अकील भाई ने वीडियो जारी कर बताया कि वहां हर तरफ लाशें और घायल लोग नजर आ रहे हैं।

सरकार ने दी हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026 को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026 को मंजूरी प्रदान की। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके लिए उपलब्ध संवैधानिक एवं वैधानिक संरक्षणों के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करने तथा उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन करना है। आयोग में एक अध्यक्ष, पांच गैर-सरकारी सदस्य तथा सरकार द्वारा नियुक्त एक सचिव होगा। अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। विधेयक में उनके त्यागपत्र, पद से हटाने तथा रिक्त पदों को भरने संबंधी प्रावधान भी किए गए हैं। आयोग अल्पसंख्यक समुदायों को प्राप्त संवैधानिक एवं वैधानिक संरक्षणों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगा तथा उनके प्रभावी पालन के लिए सरकार को आवश्यक सुझाव देगा। इसके अतिरिक्त, आयोग अल्पसंख्यकों से संबंधित सरकारी नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की निगरानी करेगा, विभिन्न विषयों पर अध्ययन एवं अनुसंधान कराएगा, सरकारी सेवाओं में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व का आकलन करेगा तथा उनके कल्याण एवं विकास के लिए आवश्यक सिफारिशें करेगा।

तीन शहीदों के आश्रितों को ग्रुप-सी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति मिलेगी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में युद्ध में शहीद हुए जवानों के परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल ने हरियाणा निवासी शहीद जवानों के पात्र आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने संबंधी राज्य सरकार की नीति में निर्धारित समय-सीमा के प्रावधानों में विशेष छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। यह निर्णय राज्य सरकार की 30 मई, 2014 को अधिसूचित अनुकंपा नियुक्ति नीति तथा वर्ष 2014 और 2018 में किए गए संशोधनों के प्रावधानों के तहत लिया गया है। इस नीति के अनुसार हरियाणा के शहीद सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के पात्र आश्रितों को शहीद की रैंक के आधार पर ग्रुप-बी, ग्रुप-सी अथवा ग्रुप-डी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रावधान है। मंत्रिमंडल ने ऐसे तीन मामलों में निर्धारित समय-सीमा में छूट देने की मंजूरी दी, जिनमें शहीद जवानों के पुत्र एवं पुत्रियां अपने माता-पिता की शहादत के समय नाबालिग थे। वयस्क होने के बाद तीनों ने छह माह के भीतर ग्रुप-सी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन उनके मामले पूर्व नीति में निर्धारित समय-सीमा से बाहर होने के कारण नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी थी। अब मंत्रिमंडल ने विशेष परिस्थितियों को देखते हुए इन मामलों में समय-सीमा में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है।

महिला के यौन शोषण के आरोप में हैदराबाद पुलिस का अधिकारी सस्पेंड

हैदराबाद । हैदराबाद के जुबली हिल्स के थाना प्रभारी को एक महिला के साथ कथित यौन शोषण, ब्लैकमेल और धमकी देने के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने जुबली हिल्स थाने के थाना प्रभारी यू. श्रीनिवासुलु रेड्डी को निलंबित करने का आदेश जारी किया। इसकी आधिकारिक घोषणा रात की गई। संगारेड्डी जिले की 31 वर्षीय महिला की शिकायत के बाद संबंधित अधिकारी को पहले 'वैकेंसी रिजर्व' में भेजा गया। शुरुआती जांच में आरोप गंभीर पाए जाने पर पुलिस आयुक्त ने विभागीय जांच पूरी होने तक उन्हें निलंबित करने का आदेश दिया। महिला ने पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद से शिकायत की थी कि यू. श्रीनिवासुलु ने उसके साथ यौन शोषण किया, जबरन गर्भपात कराया और उसे धमकाया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसके साथ मारपीट की।

महिला का आरोप है कि थाना प्रभारी उसके निजी वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था और उससे दो करोड़ रुपये की मांग कर रहा था। महिला ने दावा किया कि उसने अलग-अलग मौकों पर उसे कई हजार रुपये भी दिए थे।

असम के कछार में फैक्ट्री विस्फोट पर एनएचआरसी ने दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने असम के कछार जिले में धातु प्रसंस्करण फैक्ट्री में हुए विस्फोट से चार मजदूरों की मौत और दो अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने असम के मुख्य सचिव और कछार के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि रिपोर्ट में घायलों की स्वास्थ्य स्थिति और मृतकों के परिजनों व घायल मजदूरों को दी गई क्षतिपूर्ति का विवरण शामिल होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट में जानकारी मिली कि 26 जुलाई को फैक्ट्री में विस्फोट के बाद पिघला हुई धातु मजदूरों पर गिरी, जिससे चार की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे के समय फैक्ट्री में 100 से अधिक मजदूर मौजूद थे। समयऔर कैलेंडर स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया कि इस फैक्ट्री में पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। आयोग ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही है तो यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान पूर्व टीएमसी विधायक को गिरफ्तार न किया जाए : कलकत्ता हाईकोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के सचिवों के साथ दूसरी उच्चस्तरीय बैठक में विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने के लिए मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीक के विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और रणनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी गलत सूचनाओं का प्रभावी जवाब देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को हमेशा युवा सोच, गतिशील और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर बैठक में वित्त एवं अर्थव्यवस्था, वाणिज्य एवं उद्योग तथा प्रौद्योगिकी से जुड़े मंत्रालयों के कामकाज और विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रालयों और विभागों को टीम भावना के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने

कहा कि विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा तो योजनाओं का लाभ लोगों तक तेजी और प्रभावी ढंग से पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की हर नीति और फैसला आम नागरिक को ध्यान में रखकर होना चाहिए। लोगों का हित और उनकी अपेक्षाएं ही शासन का आधार होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उन्होंने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और लोगों के हित के लिए जरूरी है। इसके लिए नवाचार, नए ऊर्जा स्रोतों और क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी व्यवस्था के लिए समय-समय पर सुधार जरूरी हैं। कार्यप्रणाली, कामकाज की संस्कृति और संस्थागत क्षमता में लगातार सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा को भी मजबूत करना होगा। उन्होंने युवाओं, स्टार्टअप और नवाचार करने वाले उद्यमियों को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि रणनीतिक क्षेत्रों में सरकार की बड़ी पहलों के बारे में सही जानकारी लोगों तक समय पर पहुंचनी चाहिए, ताकि गलत सूचनाओं और अफवाहों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। उन्होंने कहा कि भविष्य के उद्योगों की जरूरतों के अनुसार उद्योग जगत के सहयोग से नए शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को हमेशा नई सोच के साथ काम करना चाहिए।

महाराष्ट्र में अब तक 2,000 स्कूल बंद हो चुके हैं: संजय राउत

एजेंसी

महाराष्ट्र । शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र एजुकेशन सिस्टम, नीट पेपर लीक मामले से कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए 'एंटी-पेपर लीक' बिल पर संजय राउत ने कहा, 'महाराष्ट्र में 2,000 सरकारी स्कूल पहले ही बंद हो चुके हैं। चाहे महाराष्ट्र में सरकार हो या देश में कहीं और, जहां भी भाजपा की सरकार है, हम देख सकते हैं कि वे सबसे जरूरी मुद्दे, शिक्षा को लेकर कितने सीरियस हैं। महाराष्ट्र को कभी शिक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य माना जाता था, लेकिन आज 2,000 स्कूल बंद हो चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'कल ही पुणे यूनिवर्सिटी और आस-पास के इलाकों में एक फेक डिग्री स्कैम सामने आया। एक मार्कशीट स्कैम भी हुआ, और टीईटी व एमपीएससी परीक्षा के पेपर लीक हुए। महाराष्ट्र में ये हालात हैं। देवेंद्र फडणवीस की नाक के नीचे एजुकेशन डिपार्टमेंट में करोड़ों का स्कैम हो रहा है, और अब वे हमें लेक्चर देने के लिए यह बिल ला रहे हैं।' संजय राउत ने कहा, 'नीट पेपर लीक मामले के आधे से ज्यादा गुनहगार पुणे और लातुर से हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 'पेपर सेट करने वाले भाजपा के लोग हैं। एक विचारधारा के लोगों को पेपर सेट करने के लिए नियुक्त किया जाता है। पैसा कमाने के लिए अपने-अपने कार्यकर्ताओं को काम में लगा दिया जाता है।' उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सबसे अच्छे शिक्षा मंत्री हो सकते हैं। उन्हें यहां लाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनसे कहा है कि उन्हें आना होगा।

एनपीपी ने एफसीआरए बिल के मुद्दे पर चुप रहने के आरोपों को किया खारिज

एजेंसी

शिलांग । मेघालय में सत्ताधारी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि वह प्रस्तावित 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' पर चुप रही है। पार्टी ने कहा कि उसने कई उच्च-स्तरीय बैठकों के जरिए केंद्र के सामने मेघालय की चिंताएं पहले ही उठा दी हैं। एक बयान में पार्टी ने इन रिपोर्टों को गुमराह करने वाला और राजनीतिक मकसद से प्रेरित बताया। पार्टी का दावा है कि उसने राज्य में धार्मिक और अल्पसंख्यक संस्थानों के हितों की रक्षा के लिए लगातार यह मुद्दा उठाया है। एक आधिकारिक बयान में एनपीपी ने कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉनराड के. संगमा ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी का दौरा किया था। उन्होंने एफसीआरए में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए अलग-अलग धर्मों के प्रतिनिधियों वाले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। पार्टी के वरिष्ठ नेता के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल में प्रेस्बिटेरियन चर्च ऑफ इंडिया, नॉर्थ ईस्ट इंडिया क्रिश्चियन काउंसिल, कैथोलिक आर्कडायोसिस ऑफ शिलांग और गारो बैपटिस्ट कन्वेंशन के

वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे।

बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित कानून की धारा 16ए(5) और अन्य प्रावधानों पर चिंता जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि इनसे पूरे पूर्वोत्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और समाज कल्याण के कामों में लगे संस्थानों पर बुरा असर पड़ सकता है।

एनपीपी ने यह भी दावा किया कि अमित शाह ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि प्रस्तावित संशोधनों पर कोई भी फैसला लेने से पहले संबंधित पक्षों के साथ व्यापक बातचीत की जाएगी। पार्टी ने इस साल अप्रैल में हुई एक और बैठक का भी जिक्र किया, जिसमें मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन टिनसोंग और कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की थी। उस बातचीत के दौरान, उन्होंने दूरदराज और आदिवासी इलाकों में चैरिटेबल संगठनों की अहम भूमिका पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने प्रस्तावित संशोधनों से कामकाज और संपत्ति से जुड़ी संभावित चुनौतियों के खिलाफ कानूनी सुरक्षा की मांग की।

अपने राजनीतिक विरोधियों के आरोपों को खारिज करते हुए एनपीपी ने कहा कि वह खोखली बयानबाजी के बजाय केंद्र सरकार के साथ रचनात्मक बातचीत में विश्वास करती है।

द्रमुक विधायक सेंथिल बालाजी के घर समेत छह ठिकानों पर डीवीएसी का छापा

एजेंसी

करूर। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के विधायक एवं पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी के आवास सहित छह स्थानों पर बुधवार को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय (डीवीएसी) ने एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई करूर स्थित उनके घर, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टास्मैक) के जिला प्रबंधक कार्यालय तथा उनसे जुड़े अन्य परिसरों में की जा रही है। कई घंटे से जारी इस कार्रवाई से राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। डीवीएसी की टीम ने सुबह से करूर के रामेश्वरपट्टी स्थित सेंथिल बालाजी के आवास पर तलाशी अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई टास्मैक में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सेंथिल बालाजी के आवास के अलावा नेरूर के समीप कोयंबल्ली में द्रमुक करूर पूर्वी इकाई के सचिव भास्करन के घर, मूर्तिपालयम में उनके सहयोगी सुब्रमणि के आवास तथा करूर शक्ति मेस के संचालक एवं उनके करीबी सहयोगी कार्ति के कोधई नगर स्थित अपार्टमेंट में भी एक साथ

तलाशी ली जा रही है। वहीं, करूर औद्योगिक क्षेत्र स्थित टास्मैक के जिला प्रबंधक कार्यालय में भी सुबह करीब आठ बजे से दस्तावेजों और अभिलेखों की गहन जांच जारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, करूर के अलावा ईरोड स्थित टास्मैक के गोदाम में भी डीवीएसी की टीम ने छापेमारी की है। हालांकि विभाग की ओर से अब तक इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने और जब्त दस्तावेजों की जांच के बाद ही कार्रवाई के आधार और उससे जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जाएगा। इस बीच, सेंथिल बालाजी एक अन्य मामले को लेकर भी जांच एजेंसियों के दायरे में हैं। कृष्णागिरि जिले के ऊथंगरई विधानसभा क्षेत्र से तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के विधायक इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस आयुक्त से शिकायत कर आरोप लगाया था कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव के समर्थन में मतदान करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

सिंधिया राज परिवार संपत्ति विवाद में फिर फंसा, बड़ी बुआ की बेटी प्रतिमा देवी राना ने लगाई आपत्ति

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित सिंधिया राज परिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार हुआ समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय (एडीजे) में इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद के समझौते पर सुनवाई हुई। मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना (त्रिपुरा राजघराने से संबंधित) ने इस बंटवारे पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज करा दी।

प्रतिमा देवी द्वारा दर्ज कराई गई आपत्ति का जवाब देने के लिए ज्योतिरादित्य की बुआ और आपत्तिकर्ता प्रतिमा राजे की तीनों मौसियों (राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मप्र की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे) ने न्यायालय से समय मांगा है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त 2026 की तारीख तय की है। इस आपत्ति के बाद समझौते के पुराने प्रस्ताव पर संकट खड़ा हो गया है।

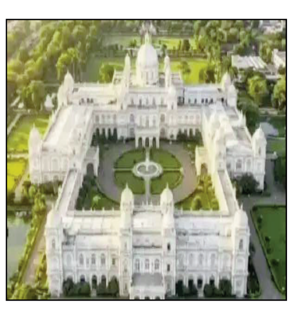

गौरतलब है कि वसुंधरा राजे, उषा राजे और यशोधरा राजे ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा पाने के लिए सिविल सूट दायर किया था। लंबे कानूनी विवाद के बाद हाल ही में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से एक राजीनामा तैयार कर कोर्ट में पेश किया था। मूल दावे में दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे की दोनों बेटियों कनिका देवी सिंह और प्रतिमा देवी राना को पक्षकार तो बनाया गया था, लेकिन पूर्व में सुनवाई के दौरान उपस्थित न होने के कारण अदालत ने उन्हें 'एक्स पार्टी' (एकपक्षीय) घोषित कर दिया था।अब प्रतिमा देवी ने कोर्ट में आवेदन देकर प्रक्रिया में दोबारा शामिल होने और समझौते में अपना हक पाने की गुहार लगाई है। पद्मावती राजे भी संपत्ति में बराबर की हिस्सेदार थीं, इसलिए उनकी बेटियों को छोड़े जाने से यह राजीनामा कानूनी रूप से पेचीदा हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सबसे बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे का विवाह त्रिपुरा के राज परिवार में हुआ था। उनकी दो बेटियां प्रतिमा देवी और कनिका देवी हैं। जब सिंधिया राज परिवार के मुख्य सदस्यों के बीच संपत्ति का अंतिम समझौता ड्राफ्ट हुआ, तो उसमें पद्मावती राजे के उत्तराधिकारियों (दोनों बहनों) को शामिल नहीं किया गया। इसी उपेक्षा से नाराज होकर प्रतिमा देवी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एडीजे न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान एक और बात सामने आई कि मामले की मुख्य फाइल में दावे से जुड़ा पूरा पुराना रिकॉर्ड फिलहाल उपलब्ध नहीं है, जिसकी तलाश अदालत द्वारा की जा रही है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि न्यायालय द्वारा प्रतिमा देवी की इस आपत्ति को स्वीकार कर लिया जाता है, तो आपसी सहमति से तैयार किया गया यह बहुचर्चित राजीनामा पूरी तरह निरस्त हो सकता है और संपत्ति का विवाद नए सिरे से शुरू हो सकता है।

दादरी के पल्ला गांव में निर्माणाधीन मकान भरभराकर गिरा, टला बड़ा हादसा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा । गौतमबुद्ध नगर के दादरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पल्ला गांव में बुधवार को नहर का पानी ओवरफ्लो होने से बड़ा हादसा सामने आया। लगातार बढ़े जलस्तर के कारण नहर का पानी गांव की ओर फैल गया, जिससे कई घरों और खेतों में पानी भर गया। पानी के तेज बहाव और जमीन कमजोर होने की वजह से एक निर्माणाधीन मकान अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि इस घटना से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नहर का पानी ओवरफ्लो होने के बाद तेजी से आसपास के रिहायशी इलाकों और खेतों में फैल गया। देखते ही देखते कई घरों के आंगन और कमरों में पानी भर गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने किसी तरह अपने घरों से जरूरी सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसी दौरान पानी के दबाव और मिट्टी धंसने से निर्माणाधीन मकान का एक हिस्सा अचानक ढह गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।सूचना मिलते ही दादरी थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों को एहतियात बरतने और क्षतिग्रस्त भवन के पास नहीं जाने की सलाह दी। प्रशासन को भी पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है। नहर का पानी खेतों में भरने से किसानों की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पानी भरने के कारण खेती को काफी नुकसान पहुंचा है और यदि जल्द जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने गुरु पूर्णिमा की बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों को बधाई देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति और ज्ञान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। राधाकृष्णन ने गुरु पूर्णिमा पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु ज्ञान संस्कार और सदाचार के आलोक-स्तंभ हैं। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि सत्य, कर्तव्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए ज्ञान, चरित्र, विनम्रता और सेवा-भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

ओम बिरला ने गुरु पूर्णिमा को भारतीय संस्कृति की सनातन चेतना का उत्सव बताते हुए कहा कि गुरु व्यक्ति को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने सभी गुरुजनों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। उन्होंने समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में योगदान देने वाले सभी गुरुजनों को नमन करते हुए देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान के दाता नहीं, बल्कि संस्कार और चरित्र के शिल्पकार हैं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा को भारत की सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर बताते हुए राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाकर सत्य, धैर्य, जिज्ञासा और करुणा का मार्ग दिखाने वाले सभी गुरुजनों को सादर नमन। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरु पूर्णिमा पर जगद्गुरु आदि शंकराचार्य को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके अद्वैत दर्शन ने भारत की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त किया है। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में उनके विचारों को शांति और विश्वबंधुत्व का मार्गदर्शक बताया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने लोगों से अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके बताए आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए गौतम बुद्ध के विचार तीन चीजें, जो देर तक छिप नहीं सकतीं सूर्य, चंद्रमा और सत्य का उल्लेख किया। उन्होंने सभी गुरुजनों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को नमन करते हुए उनके ज्ञान और संस्कारों को जीवन की सही दिशा बताया।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति की धुरी हैं और वही व्यक्ति को आत्मबोध, समाज को सदाचार तथा राष्ट्र को वैभव के पथ पर अग्रसर करते हैं। उन्होंने समस्त गुरुजनों और ऋषि परंपरा को नमन किया। भौगोलिकसंदर्भ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि संस्कार, विवेक और जीवन का सही मार्ग भी दिखाते हैं। उन्होंने सभी के जीवन में ज्ञान, सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरु पूर्णिमा पर सभी गुरुजनों को नमन करते हुए कहा कि गुरु बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं और सही-गलत का भेद सिखाकर समाज की मजबूत नींव तैयार करते हैं। उन्होंने लोगों से गुरुओं का सम्मान करने और उनके ज्ञान से जीवन को प्रकाशित करने की अपील की।

असम में बाढ़ से अभी भी सात जिलों की 332639 आबादी प्रभावित, सात और शव मिले

एजेंसी

गुवाहाटी। ऊपरी असम के चार जिले बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इन्हीं जिलों में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है। राज्य सरकार प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए लगातार कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रभावितों के लिए आर्थिक मदद के साथ ही मृतकों के परिजनों के लिए 9 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया है। वहीं शिवसागर जिले के नाजिरा इलाके के अभी भी 7 व्यक्ति लापता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर लापता व्यक्तियों का पता नहीं चल पाता है तो सरकार जल्द ही उन्हें मृत मानकर परिजनों को आर्थिक सहायता मुहैया कराएगी। बाढ़ का पानी लगातार घट रहा है, जिसके चलते घरों एवं विद्यालयों में घुटनों तक मिट्टी की गाद भर जाने से लोगों के सामने एक नई समस्या पैदा हो गयी है। लोग अपने घर लौटने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने के चलते सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए लोग मजबूत हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 28 जुलाई को जारी आंकड़ों के

अनुसार शिवसागर जिले में सात और लोगों के शव बरामद हुए हैं। राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 75 हो गई है। धनसिरी (नुमालीगढ़) नदी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव के लिए सभी तरह के उपाय करने में जुटी हुई है। इस समय बाढ़ प्रभावित जिलों में शिवसागर, गोलाघाट, चराईदेव, जोरहाट, नगांव शोणितपुर एवं कामरूप (मेट्रो) जिला हैं। बाढ़ से इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 622 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 332639 आबादी एवं 45341.98 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 81 राहत शिविर एवं 34 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 115 शिविर क्रियान्वित हैं। राहत शिविरों में 32477 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 16314 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। 28 जुलाई तक बाढ़ के पानी में शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 186 बताई गई है। शिवसागर जिले में ही 2 पक्के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि, शिवसागर जिले में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चा मकानों की कुल संख्या 560 है। वहीं शिवसागर जिले में आंशिक रूप से पक्का क्षतिग्रस्त मकानों की कुल संख्या 580 है। क्षतिग्रस्त अन्य मकानों में शिवसागर जिले में 320 झोपड़ियां, अन्य मवेशी शेड की कुल संख्या 789 है। समयऔर कैलेंडर बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है।

सिंहस्थः 2028 के दृष्टिगत मध्य प्रदेश में बढ़ाई जा रही रेल सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आगामी सिंहस्थ : 2028 के दृष्टिगत राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर चल रहा है। भोपाल को निशातपुरा के रूप में चौथे रेलवे स्टेशन की सौगात मिली है। इस रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनों के ठहराव (स्टापेज) होगा। निशातपुरा रुकने वाली ट्रेनें शिव और शक्ति की प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार शाम को भोपाल के नव विकसित निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर दो रेल गाड़ियों- डॉ. अंबेडकर नगर-श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा मालवा एक्सप्रेस और वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन के निशातपुर स्टेशन पर नए ठहराव (स्टॉपेज) के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मालवा एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। हर विभाग में नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। गत 12 साल

में रेलवे का न भूतो न भविष्यति विकास हुआ है। भारतीय रेलवे में द्रुत गति से विकास कार्य हो रहे हैं। निशातपुरा स्टेशन के शुभारंभ से अब नई दिल्ली से उज्जैन-इंदौर की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों को ट्रैक और इंजन बदलने की जरूरत नहीं होगी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय रेलवे के माध्यम से उज्जैन सिंहस्थः 2028 को लेकर लगातार सौगातें मिल रही हैं। सिंहस्थ : 2028 के आयोजन में अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालु मध्य प्रदेश आएंगे। ऐसे में नए रेलवे स्टेशन यात्रियों की भीड़ का दबाव कम करने में अहम भूमिका निभाएंगे। निशातपुरा क्षेत्र में 14 करोड़ की लागत से विकसित निशातपुरा स्टेशन नागरिकों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। यहां अनेक नई सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। नई दिल्ली से उज्जैन-इंदौर आने-जाने के लिए समय बचेगा। भोपाल मुख्य स्टेशन जाए बिना डायरेक्ट ट्रेन मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब किसी क्षेत्र में रेल लाइन आती है, तो यात्री सुविधाओं के साथ व्यापार, कृषि और माल ढुलाई आदि कार्यों में सुविधा मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मध्य प्रदेश में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्ट्ठ्ठत्त 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

गोल्ड मेडल : ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था। ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं ड्ढ्ढ द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।

उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता–पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लास्गो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता–पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27 :49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

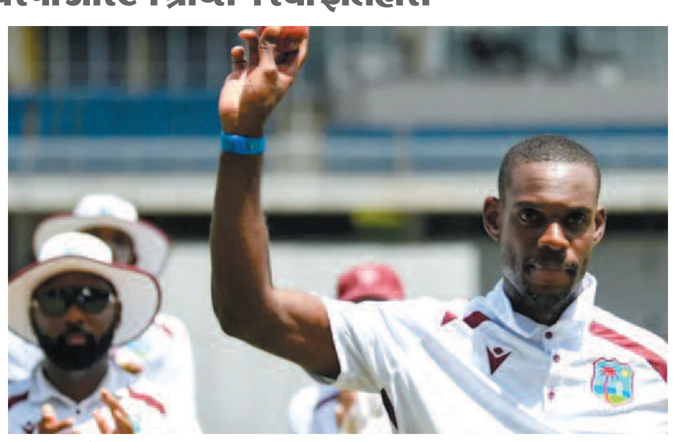

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ–सेंचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।

सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया और आत्मविश्वास बढ़ाया

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

मिर्जापुर: द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''

अक्षय की 'समुक' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में फ्लोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शेड्यूल की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोडक्शन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शेड्यूल की अवधि ढाई से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेटअप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीमों को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वही फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री

गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजहब बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। ट्रेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत घुमाता है। वापस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।

अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

हरियाणा में अब एक साल के लिए होगी पटवारी ट्रेनिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अब पटवारियों की ट्रेनिंग अवधि एक साल की होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा राजस्व पटवारी (समूह-सी) सेवा नियम, 2011 में संशोधनों को मंजूरी दी गई। इन संशोधनों का उद्देश्य राजस्व पटवारियों के भर्ती और प्रशिक्षण ढांचे का आधुनिकीकरण करना, उनकी सेवा शर्तों में सुधार करना तथा राजस्व प्रशासन को अधिक कुशल और उत्तरदायी बनाना है। संशोधित नियम 1 जनवरी, 2025 से लागू माने जाएंगे। मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया एक प्रमुख निर्णय- नए नियुक्त पटवारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण अवधि को डेढ़ वर्ष से घटाकर एक वर्ष करना है। संशोधित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पटवार स्कूल में छह महीने का संस्थागत प्रशिक्षण और उसके बाद छह महीने का फील्ड प्रशिक्षण शामिल होगा। यह निर्णय राज्य स्तरीय पटवारी सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप लिया गया है और इससे फील्ड ड्यूटी के लिए प्रशिक्षित पटवारियों की जल्द उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल ने नए नियुक्त पटवारियों की सेवा शर्तों में महत्वपूर्ण सुधार को भी मंजूरी दी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान वजीफा (स्टाइपेंड) मिलने के बजाय, अब उन्हें फंक्शनल पे-लेवल-2 में 19,900 रुपये का शुरुआती वेतन दिया जाएगा।

रेवाड़ी में बनेगी कुसुम इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2006 में संशोधन करके कुसुम इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी रेवाड़ी नाम से एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनाने के लिए बिल लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के अनुसार राज्य के युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के अवसरों को बेहतर बनाने के लिए एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बनाने और उन्हें बढ़ाने की जरूरत है। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की बहुत ज्यादा बढ़ोतरी को समायोजित करने और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, 2020 के अनुसार 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात के लक्ष्य को पार करने के लिए हमें 2030 तक सभी स्तर पर संस्थानों की संख्या लगभग दोगुनी करनी होगी। उच्च शिक्षा में इस बेंचमार्क को पूरा करने के लिए सरकारी दखल काफी नहीं होगा। हमें प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को बड़े पैमाने पर शामिल करने की ज़रूरत है। हरियाणा प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2006 असल में उच्च न्यायालय में कैपेसिटी बढ़ाने और इसके स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने में सरकार की पहल को सहयोग करने के लिए प्राइवेट सेक्टर को शामिल करने के लिए लाया गया है। अधिनियम अनुसार उद्देश्य को पाने के लिए मंत्री परिषद ने रेवाड़ी में कुसुम इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए एक बिल लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

हरियाणा में नई संपत्ति कर नीति को मंजूरी, महिलाओं, सैनिकों और लाल डोरा क्षेत्र को मिलेगी विशेष छूट

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं की सीमा के भीतर स्थित भवनों एवं भूमि पर संपत्ति कर लगाने के लिए नई नीति को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। नई नीति के लागू होने के बाद वर्ष 2013 की संपत्ति कर संबंधी अधिसूचनाओं का स्थान नई व्यवस्था लेगी और राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में संपत्ति कर निर्धारण के लिए एक समान एवं सूत्र-आधारित प्रणाली लागू होगी। बैठक में बताया गया कि नई व्यवस्था हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के तहत नगर निगमों तथा हरियाणा नगरपालिका अधिनियम, 1973 के तहत नगर परिषदों एवं नगर पालिकाओं के लिए अलग-अलग अधिसूचित की जाएगी। सरकार का उद्देश्य संपत्ति कर निर्धारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और विवादरहित बनाना है। नई प्रणाली के तहत विवेकाधीन एवं जटिल मूल्यांकन व्यवस्था को समाप्त कर पूंजीगत मूल्य के आधार पर कर निर्धारण किया जाएगा। इसके लिए प्लॉट क्षेत्र अथवा कारपेट क्षेत्र, संबंधित क्षेत्र की कलेक्टर दर तथा फ्लोर फैक्टर को आधार बनाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इससे संपत्ति कर निर्धारण में पारदर्शिता आएगी और करदाताओं को पहले से ही अपनी कर देयता का अनुमान लगाने में सुविधा होगी।

हरियाणा में तय होगी वित्तीय जवाबदेही

चंडीगढ़। प्रदेश में हरियाणा लोकल ऑडिट एक्ट, 2026 लागू होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसएक्ट के ड्राफ्ट को मंजूरी दी गई। प्रस्तावित एक्ट का उद्देश्य राज्य में सभी लोकल अथॉरिटी और दूसरी अथॉरिटी बॉडी, इंस्टीट्यूशन और फंड के लिए एक प्रभावी और कुशल ऑडिट कानून बनाना है तथा इससे या इनसे जुड़े मामलों के लिए भी प्रावधान करना है। कई राज्यों के लोकल ऑडिट डिपार्टमेंट (जिसे लोकल फंड डिपार्टमेंट भी कहा जाता है) के अपने अधिनियम और नियम हैं। जैसे, तमिलनाडु लोकल फंड ऑडिट एक्ट, 2014, तमिलनाडु लोकल फंड ऑडिट रूल्स, 2016, गुजरात लोकल फंड ऑडिट एक्ट, 1963, गुजरात लोकल फंड ऑडिट रूल्स, 1974, केरल लोकल फंड ऑडिट एक्ट, 1994 आदि। भारत के दूसरे राज्यों के लोकल ऑडिट डिपार्टमेंट के एक्ट/रूल्स और लोकल फण्ड डिपार्टमेंट हरियाणा के कामकाज को देखते हुए सभी लोकल अथॉरिटी और दूसरी अथॉरिटीज, बॉडी या इंस्टीट्यूशन और उनसे जुड़े फंड और मामलों के लिए प्रभावी और कुशल ऑडिट सिस्टम बनाने के लिए विभाग को एक एक्ट तैयार करने की ज़रूरत है।

हरियाणा सरकार ने लॉन्च की एमएसएमई पॉलिसी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा प्रोग्रेसिव एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 को मंजूरी दे दी गई। नई नीति के जरिए सरकार ने अगले पांच वर्षों में 55 हजार करोड़ रुपये के विनिर्माण निवेश, पांच लाख से अधिक नए रोजगार और राज्य के निर्यात को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है।

यह नीति राज्य के 14 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अब तक का सबसे व्यापक सुधार पैकेज मानी जा रही है। हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए 60 परिवर्तनकारी पहल शुरू करने का फैसला लिया है। पूरी नीति को छह प्रमुख स्तंभों - वित्त, आधारभूत ढांचा, तकनीक, निर्यात, कौशल विकास और सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) पर आधारित किया है। इसका उद्देश्य उद्योगों की स्थापना से लेकर उत्पादन, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक बाजार तक पहुंच के लिए एकीकृत सहायता उपलब्ध कराना है।

नई नीति के तहत पहली बार राज्य स्तर पर हरियाणा उद्यम विकास मिशन शुरू किया जाएगा। इसके माध्यम से चिन्हित क्षेत्रों के एमएसएमई और निर्यातकों को पूंजी निवेश पर सब्सिडी मिलेगी। इसके अलावा ब्याज अनुदान, स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति, रोजगार सृजन प्रोत्साहन, बीमा सहायता, परीक्षण प्रयोगशालाओं, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए भी वित्तीय सहायता दी

जाएगी। उद्योगों को बिना अधिक जमानत के ऋण उपलब्ध कराने के लिए स्टेट वेंचर कैपिटल फंड और सेक्टोरल क्रेडिट गारंटी फंड स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। उद्योगों की लागत घटाने के लिए क्लस्टर आधारित विकास को नई नीति का प्रमुख आधार बनाया गया है। क्लस्टर प्लग एंड प्ले योजना तथा कॉमन फैसिलिटी सेंटर योजना का विस्तार किया जाएगा। इससे छोटे उद्योगों को आधुनिक मशीनरी, परीक्षण सुविधाएं, डिजाइन सेंटर और साझा औद्योगिक ढांचे का लाभ कम लागत पर मिल सकेगा। नई नीति में पहली बार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापक ढांचा तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री प्रथम निर्यातक प्रोत्साहन योजना के माध्यम से नए निर्यातकों को विशेष सहायता दी जाएगी। उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन, निर्यात बीमा, फ्रेट सहायता, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। राज्य में हरियाणा निर्यात केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो निर्यात दस्तावेज, गुणवत्ता मानकों, लॉजिस्टिक्स और विदेशी खरीदारों से संपर्क जैसी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही 'उड़ान द्वार' डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से हरियाणा के उद्योगों को वैश्विक निवेशकों, खरीदारों और तकनीकी साझेदारों से जोड़ा जाएगा। नीति के तहत ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, सर्कुलर इकोनॉमी, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) जैसी पर्यावरणीय प्रणालियों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके लिए अलग से ग्रीन इन्वेस्टमेंट फंड भी बनाया जाएगा। नई नीति का लाभ ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एयरोस्पेस एवं रक्षा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, रबर-प्लास्टिक, खिलौना उद्योग, खेल सामग्री, फुटवियर, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन इंडस्ट्री सहित कई प्रमुख क्षेत्रों को मिलेगा।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का आशीर्वाद मिलना जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण: अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान डॉ अर्चना गुप्ता ने 'पुराल' से निर्मित कमल का पुष्प भेंट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। लगभग आधे घंटे तक चली इस आत्मीय मुलाकात में संगठनात्मक, सामाजिक और महिला सशक्तिकरण तथा विकसित भारत के संकल्प सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विश्व के सबसे लोकप्रिय एवं प्रभावशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना, उनका स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण प्रेरणादायी क्षण है।उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद यह उनके सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर रहा। डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हरियाणा की नायब सरकार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने तथा सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री द्वारा कही गई प्रत्येक

बात को आत्मसात कर प्रदेश संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनसेवा के लिए स्वयं को पूरी निष्ठा से समर्पित करने का उनका संकल्प और मजबूत हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता केवल विचार नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प है। आज उनके साथ हुई मुलाकात में इस भावना को उन्होंने निकट से अनुभव किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन का अक्षरशः पालन करते हुए भाजपा हरियाणा प्रदेश को संगठनात्मक रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और महिलाओं की भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगी। डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि यह हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि आज प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप हमारी माताएं और बहनें राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह दूरदर्शी नेतृत्व और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक निर्णय देश की आधी आबादी को वास्तविक अर्थों में सशक्त कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता पर विश्वास जताकर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास उनके लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है। वह इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगी तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगी।

महिलाओं के नाम वाहन खरीदने पर मोटर वाहन टैक्स में मिलेगी एक प्रतिशत छूट

20 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले निजी वाहनों पर मिलेगी रियायत

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य में महिलाओं के नाम पर खरीदे और पंजीकृत किए जाने वाले 20 लाख रुपये तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले गैर-व्यावसायिक (नॉन-ट्रांसपोर्ट) वाहनों पर मोटर वाहन टैक्स में 1 प्रतिशत छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।

निर्णय के अनुसार महिलाओं के नाम पर नए पंजीकृत होने वाले गैर-व्यावसायिक वाहनों पर एक्स-शोरूम कीमत के एक प्रतिशत के बराबर मोटर वाहन टैक्स में छूट दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें अपने नाम पर वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। सरकार का मानना है कि इस टैक्स रियायत से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण बढ़ेगा और आर्थिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी को भी बल मिलेगा।

हरियाणा में वर्तमान में निजी उपयोग के वाहनों पर टैक्स उनकी एक्स-शोरूम कीमत के आधार पर लगाया जाता है। अब सरकार ने स्पष्ट किया है कि बजट में घोषित 1 प्रतिशत टैक्स छूट का लाभ केवल उन गैर-व्यावसायिक वाहनों पर मिलेगा जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 20 लाख रुपये तक होगी। यह छूट वर्तमान में लागू मोटर वाहन टैक्स के अतिरिक्त प्रदान की जाएगी।

31 जुलाई तक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर कराएं खरीफ फसलों का पंजीकरण : डीसी

सरकारी योजनाओं का लाभ और मंडियों में फसल बेचने के लिए पंजीकरण अनिवार्य, किसानों से समय रहते आवेदन करने की अपील

देश का क्रॉनिकल्स

कैथल। डीसी अपराजिता ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं का लाभ लेने तथा अपनी कृषि उपज को नजदीकी मंडियों में बेचने के लिए 31 जुलाई 2026 तक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर खरीफ फसलों का पंजीकरण अवश्य करवा लें। उन्होंने कहा कि पोर्टल वर्तमान में खुला हुआ है और किसान समय सीमा समाप्त होने से पहले अपनी फसलों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। डीसी ने बताया कि धान, मक्का, बाजरा, कपास, फल, फूल एवं सब्जियों सहित सभी खरीफ फसलों का पंजीकरण कराया जा सकता है। किसान स्वयं भी पोर्टल fasal.haryana.gov.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं या फिर अपने गांव के अटल सेवा केंद्र पर जाकर यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसल पंजीकरण के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविन्द्र सिंह ने बताया कि जिला कैथल में खरीफ सीजन के दौरान

लगभग 4.95 लाख एकड़ क्षेत्र में फसलों की बुवाई होती है। अब तक जिले के लगभग 69 प्रतिशत क्षेत्र की फसलों का पंजीकरण पोर्टल पर कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जो किसान निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी फसलों का पंजीकरण नहीं कराएंगे, उन्हें अपनी उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने किसानों से यह भी आग्रह किया कि यदि परिवार पहचान पत्र में परिवार के सदस्यों के मोबाइल नंबर अलग-अलग दर्ज हैं, तो पहले उन्हें परिवार पहचान पत्र में अपडेट करवा लें, ताकि मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण में किसी प्रकार की समस्या न आए और किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें।

डॉ. रविन्द्र सिंह ने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुदान, धान की सीधी बिजाई (डीएसआर), यूजीपीएल, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल अवशेष प्रबंधन तथा अन्य कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर फसल का पंजीकरण अनिवार्य है।

एसआईआर-2026 : पोस्ट ड्राफ्ट चरण को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराना प्रशासन की प्राथमिकता: डीसी

देश का क्रॉनिकल्स

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत चल रही प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूरा कराने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने लघु सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पोस्ट ड्राफ्ट चरण की प्रगति की समीक्षा की। डीसी ने बताया कि पोस्ट ड्राफ्ट चरण के तहत झज्जर और बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन अधिकारियों, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों (एएईआरओ), बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में नोटिस जारी करने, सुनवाई प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन, ऑनलाइन मॉड्यूल के उपयोग तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि दावों एवं आपत्तियों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों

से प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से भाग लेने तथा आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के प्रकरणों के व्यावहारिक उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए, ताकि सभी मामलों का सही और प्रभावी तरीके से निस्तारण किया जा सके। एसडीएम एवं निर्वाचन पंजीयन अधिकारी रवि मीणा ने बताया कि झज्जर विधानसभा क्षेत्र के लिए संवाद भवन में दो सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जबकि एसडीएम अभिनव सिवाच ने बताया कि बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए आईटीडीआर भवन, बालौर रोड में भी दो सत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को बादली विधानसभा क्षेत्र तथा 30 जुलाई को बेरी विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं एएईआरओ का प्रशिक्षण संवाद भवन, झज्जर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर एडीसी जगनिवास, उप निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम रितु सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता सूची की शुद्धता सजग लोकतंत्र की पहचान : डीसी

एजेंसी

झज्जर। जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय में डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर-2026 अभियान के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारियों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के बाद दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण, नोटिस जारी करने, सुनवाई प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन तथा ईसीआईनेट पोर्टल पर की जाने वाली ऑनलाइन कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वच्छ, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। निर्वाचन आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अधिकारियों को नवीन दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया है। डीसी ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण दायित्व है। इसमें कार्यरत प्रत्येक अधिकारी को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता

एवं समयबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को नवीन प्रावधानों, कानूनी प्रक्रियाओं तथा डिजिटल मॉड्यूल से भली-भांति अवगत कराना है ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ संपन्न हो सके। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रत्येक दिशा-निर्देश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि जिला झज्जर की मतदाता सूची पूरी तरह अपडेट, शुद्ध एवं विश्वसनीय बन सके।

एसआईआर अभियान 2026 के अनुरूप कार्य करें अधिकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी शुद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का प्रभावी उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करेंगे तथा जिला में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाएंगे।

हरियाणा में रेडियोग्राफर होंगे रेडियोलॉजी अधिकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग पैरा-मेडिकल और विविध पद (राज्य समूह-सी) सेवा नियम, 1998 में संशोधनों को स्वीकृति प्रदान की गई। यह संशोधन मुख्य रूप से सेवा नियमों में वरिष्ठ रेडियोलॉजी अधिकारी के नए बनाए गए 22 पदों को शामिल करने और स्वास्थ्य प्रणाली में रेडियोलॉजी पेशेवरों की बदलती भूमिका के अनुरूप मौजूदा रेडियोग्राफर पदों के नाम को 'रेडियोलॉजी अधिकारी' में बदलने का प्रावधान करते हैं।यह संशोधन 10 जून, 2020 को जारी एक सरकारी अधिसूचना के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक-एक, यानी वरिष्ठ रेडियोग्राफर के 22 पदों के सृजन के बाद आवश्यक हो गए थे। ये पद विभाग में कार्यरत पात्र रेडियोग्राफरों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाने हैं। संशोधित नियमों के तहत, 22 स्वीकृत पदों के साथ सेवा नियमों में वरिष्ठ रेडियोलॉजी अधिकारी की एक नई श्रेणी शुरू की गई है। यह पद स्नक्करु-6, सेल-द्ब (35,400 रुपये - 1,12,400 रुपये) का वेतनमान वहन करेगा और इसे मुख्य रूप से निर्धारित योग्यताओं और न्यूनतम पांच वर्ष की नियमित सेवा वाले रेडियोलॉजी अधिकारियों में से पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा। निर्धारित पात्रता शर्तों के अधीन किसी भी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा से स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) के माध्यम से नियुक्ति का भी प्रावधान किया गया है।कैबिनेट ने पूरे सेवा नियमों में नियुक्ति, पदोन्नति, अनुशासनात्मक मामलों और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने वाले प्रासंगिक परिशिष्टों सहित 'रेडियोग्राफर' पदनाम को बदलकर 'रेडियोलॉजी अधिकारी' करने वाले संशोधनों को भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, संशोधित नियमों में मौजूदा सरकारी नीतियों और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार नियुक्तियों में आरक्षण, सीधी भर्ती में आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए अनुभव में छूट, पात्रता शर्तों और नागरिकता आवश्यकताओं से संबंधित संशोधित प्रावधान शामिल हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावे एवं आपत्तियों की प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

गुरुग्राम। हरियाणा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत मतदाता सूची के दावे एवं आपत्तियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गुरुग्राम, सोहना, पटौदी तथा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पटौदी के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी दिनेश लुहाच तथा बादशाहपुर के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी संजीव सिंगला भी उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों को एसआईआर के आगामी चरण, दावा एवं आपत्ति प्रक्रिया, नोटिस जारी करने, दस्तावेजों के सत्यापन तथा मतदाता सूची के अद्यतन से संबंधित सभी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम दिनेश लुहाच ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का प्रथम चरण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है, जिसमें बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रह किया गया। अब आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके साथ ही 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे

एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जिसके दौरान पात्र नागरिक नए मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराने, मतदाता सूची में संशोधन करवाने अथवा हटवाने(यदि कहीं और शिफ्ट हो गए है) के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जाएंगे।एसडीएम संजीव सिंगला ने बताया कि 31 जुलाई से 28 सितंबर तक नोटिस अवधि रहेगी। इस दौरान प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के साथ-साथ आवश्यक मामलों में नोटिस जारी किए जाएंगे तथा सभी प्रकरणों का नियमानुसार डिजिटल माध्यम से परीक्षण एवं निस्तारण निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए,

NAME CHANGE

I hitherto known as FIZA D/o MD SHAMIM R/o 25/15, Sadha Wali Gali Biswa Jatwada, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana-124507 have changed my name and shall hereafter be known as FIZA MEER.

एकमुश्त कर निपटान योजना का लाभ उठाएं व्यापारी : डीसी

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा सरकार द्वारा छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुश्त निपटान स्कीम को व्यापारियों ने प्राथमिकता देते हुए उसका भरपूर लाभ उठाया है। इस स्कीम की अभूतपूर्व कामयाबी को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर निपटान योजना लागू की है। व्यापारी वर्ग नियमानुसार इस योजना का लाभ उठाकर पुराने बकाया करों का भुगतान सकते हैं। यह जानकारी डीसी वर्षा खांगवाल ने दी। डीसी ने बताया कि इससे जीएसटी में कम से कम बकाया राशियों के साथ आगे बढ़ा जाए ताकि जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में अधिक से अधिक समय और ध्यान दिया जा सके। डीसी ने बताया कि सरकार द्वारा गत 1 जून से 120 दिनों के लिए 28 सितंबर 2026 तक एक मुश्त निपटान स्कीम, 2026 शुरू की है। जिसके तहत सात कराधान अधिनियमों के तहत निर्धारित बकाया देय राशि के निपटान का प्रावधान है। यदि किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत एक वर्ष में 1 लाख रुपये तक का कर बकाया है तो उसे इस स्कीम में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उसका उस वर्ष के लिए उस अधिनियम में संपूर्ण कर, ब्याज एवं जुर्माना राशि माफ हो जाएगी। आवेदक अपने बकाया देय राशि के निपटान के लिए किसी भी अधिनियम में किसी भी वर्ष के लिए आवेदन कर सकता है। पूर्ववर्ती हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 के तहत बकाया राशि के निपटान के लिए विशेष छूट उपलब्ध है। हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 को 1 अप्रैल, 2003 से हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003 के लागू होने के साथ निरस्त कर दिया गया था। हरियाणा सामान्य बिक्री कर के तहत बकाया देय बहुत पुराने हैं, इसलिए 1 लाख से अधिक कर बकाया वाले सभी मामलों में 70 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

सपनों की उड़ान जैसी

बुल्गारिया

की सैर, खूबसूरती ही नहीं यहां का आर्किटेक्चर भी है लाजवाब

> एक ऐसा देश जहां आधुनिक यूरोपीय संस्कृति के साथ-साथ लोग अभी भी अपने पारंपरिक मूल्य और संस्कार भी सहेजे हुए हैं। बादलों में उड़कर बुल्गारिया पहुंच जाना एक सपने जैसा था। चलते हैं यहां

तीन दशक पहले मुझे बचपन में बुल्गारिया जाने का मौका मिला था। एक चिल्ड्रेंस कैंप में। उसी की याद को ताजा करने जब मैं दोबारा बुल्गारिया गई, तो महसूस हुआ कि यह स्थान आपको अपनी ओर खींचता है। मुझे अपनी बुल्गारिया यात्रा के दौरान कभी भी सैलानी जैसा एहसास नहीं हुआ, बल्कि ऐसा लगा जैसे मैं कुछ दिनों के लिए वहां बस गई थी। मुझे बुल्गारिया की राजधानी सोफिया और शहर वारना घूमने और रहने का अवसर मिला। बुल्गारिया पहुंचने के लिए हमने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तुर्की में इस्तांबुल के लिए फ्लाइट पकड़ी। इस्तांबुल से हमें कनेक्टिंग फ्लाइट से बुल्गारियाई शहर वारना पहुंचना था। किन्हीं वजहों से हमारी वह फ्लाइट मिस हो गई और कुछ समय हमें इस्तांबुल एयरपोर्ट की एक लांउज में बिताना पड़ा। देर रात हमें वारना की फ्लाइट मिली और कुछ घंटों में हम वारना शहर में थे।

विहंगम है वारना का नजारा

मैदान, पहाड़, घाटी, संकरे रास्तों व नदियों का देश है बुल्गारिया। यहां की सबसे बड़ी नदी है इस्कर और सबसे बडी लेक बुर्गस है। आपको जानकर हैरानी भी होगी कि इस देश में करीब 540 नदियां बहती हैं। एक टैक्सी से हम वारना में होटल पैनोरमा पहुंचे। सुनने में अजीब लगता है, लेकिन सच में वहां तक की ड्राइव मन मोह लेने वाली थी। हरे-भरे खेतों, साफ-सुथरी सड़कों और सुरजमूखी के हजारों फूलों के बीच स्टोन फॉरेस्ट तक जाने का रास्ता बेहद मनमोहक था। साथ ही, मन में उतावलापन था कि पत्थरों का जंगल कैसा होगा? स्टोन फॉरेस्ट पहुंचकर सदियों पुराने पत्थर और प्राकृतिक जमीनी सुंदरता और कलात्मकता को देखकर हैरान थे। पेड़, मिट्टी, जंगली पौधे और पत्थरों का यह जंगल पहले एक समुद्र था। पत्थर के खंभों से पटा हुआ यह जंगल बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां का वातावरण बहुत ही साफ और सुंदर है। खूबसूरत फूल-पौधे चारों तरह हरियाली बिखेरते बड़े मनोरम लगते हैं। वारना शहर में घूमते हुए हमारी नजर यहां बने घरों पर पड़ी। बहुत ही सुंदर अपार्टमेंट बने हैं। बुल्गारियाई आर्किटेक्चर बहुत सुंदर, आकर्षक और प्रभावी हैं। बातों-बातों में हम कब वारना पार्क पहुंच गए पता ही नहीं चला। इस पार्क की खासियत है कि आप गार्डन के साथ-साथ बाजार भी घूम लेते हैं। यहां रेस्टोरेंट्स में तुर्की व बुल्गारियाई व्यंजन काफी पसंद किए जाते हैं। अगली सुबह हमें बल्चिक-कलियाकारा जाना है, जो वारना के पास ही बसा एक कस्बा है। यह ब्लैक सी के पास ही स्थित है।

कलियाकारा केप

कलियाकारा केप पहुंचने पर हमें यहां एक आर्कियोलॉजिकल साइट भी देखने को मिली, जो एक म्यूजियम की तरह है। यह एक तरह से यहां की सभ्यता का प्रतीक है। इस म्यूजियम में हजारों साल पुरानी सभ्यता की निशानियां रखी हैं। इनमें बर्तन, हथियार जैसी बहुत सारी चीजें देखने को मिलती हैं। ये सामान खुदाई के दौरान मिले थे। अब इस साइट को टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया गया है। यहां एक लंबी वॉक के बाद महसूस होता है कि जरूर जीवन यहां कई हजार साल पहले भी रहा होगा। इस तरह के चिन्ह इस वॉक के दौरान देखने को मिलते हैं।

बल्चिक बॉटेनिकल गार्डन

यह एक खूबसूरत बॉटेनिकल गार्डन है। इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। फूलों से लदे पेड़ आपका स्वागत करते हैं। ढेरों फूल, पौधों, पेड़ों और जड़ी-बूटियों से हरे-भरे इस गार्डन में घूमने का एक अलग ही आनंद है। यहां बुल्गारियाई, जापानी गुलाब के साथ एक से बढ़कर एक कैक्ट्स भी देखने को मिलेंगे।

सस्ते में लेना है घुमक्कड़ी का मज़ा, तो इन टिप्स एंड ट्रिक्स के साथ करें प्लानिंग

बहुत से लोग यह सोचकर घूमने से रह जाते हैं कि पैसे कम हैं कैसे घूमेंगे? लेकिन आपको हम बता दें कि अगर आप ढंग से प्लान बनाएं तो कम पैसों में भी आराम से घूम सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में घुमक्कड़ी संजीवनी जैसी है, जो आपको तरोताजा कर देती है। बड़े शहरों की व्यस्त जिंदगी की जरूरत भी है ट्रैवल ताकि आप प्रदूषण और शोर-शराबे से दूर अपनों के साथ सुकून के कुछ पल बिता पाएं। सोशल मीडिया के इस दौर में घूमना एक ट्रेंड भी बनता जा रहा है। ऐसे बजट फिट ट्रैवल और भी प्रासंगिक हो जाता है।

घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है असली मजा

यह बात तो सही है कि घूमने और नई जगहों को एक्स्प्लोर करने से हम तरोताजा होते हैं। बहुत कुछ सीखते भी हैं। मगर आज की महंगाई वाले दौर में बहुत से लोगों के लिए घूमना बजट पर भारी पड़ता है। जो लोग यह सोचते हैं कि घूमना सिर्फ पैसे वालों का शौक है, तो उनको बता दूं कि ऐसा है नहीं। अगर हम थोड़ी मेहनत और थोड़ा रिसर्च करें। इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद लें, तो घूमने का प्लान बजट में बना सकते हैं। बजट फिट ट्रैवल एक भ्रम नहीं है। घूमने का ट्रेंड, जो पहले केवल बड़ों शहरों में ही देखा जाता था, आजकल छोटे-छोटे शहरों में भी इंटरनेट और स्मार्टफोन की वजह से बढ़ रहा है। घूमने का असली आनंद तो घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है न की पर्यटकों की तरह पर्यटन करने में।

करनी होगी एडवांस प्लानिंग

ट्रैवल प्लान करने में सबसे बड़ी चुनौती होती है डेस्टिनेशन तक कैसे जाया जाए? कहीं भी जाने से पहले उस जगह की अपने शहर से कनेक्टिविटी देखते हैं, इंटरनेट से समय और दूरी को चेक करने के बाद फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट, जैसे- ट्रेन या बस की बुकिंग कराते हैं। एडवांस बुकिंग से जहां अंतिम समय की भागदौड़ से बच जाते हैं, वहीं तत्काल या अन्य चार्जेज की भी बचत हो जाती है।

होटल की बजाय होमस्टे बेहतर

किसी भी यात्रा की दूसरी समस्या यह होती है कि हम रूकें कहां? जगह सुरक्षित है या नहीं? शहर या घूमने की जगह से बहुत दूर तो नहीं है? सस्ती जगह है तो अच्छी है या नहीं? आजकल ये समस्याएं भी आसानी से हल हो जाती हैं। कई बड़े स्टेशंस पर भारतीय रेलवे के गेस्ट रूम्स भी उपलब्ध होते हैं, जिनकी बुकिंग ट्रेन टिकट के साथ ही एडवांस में की जा सकती है। बहुत से लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशंस में होमस्टे आसानी से मिल जाते हैं वह भी बजट में। यहां रहने पर स्थानीय लोगों का रहन-सहन, खान-पान और उनकी संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका मिल जाता है। साथ ही उस जगह से जुड़ी कई ऐसी जानकारियां भी मिलती हैं जो गूगल के पास भी नहीं होंगी। वैसे, अकेले घूमने वाले लोगों के लिए जॉस्टल और होस्टल जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जो बहुत कम पैसे में आपको डोर्मिटरीज और रूम मुहैया कराते हैं। साथ ही, साथ अपने जैसे और भी लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभवों को साझा करने का मौका भी मिलता है। यकीन मानिए यात्रा और यात्री दोनों ही बेहतरीन गुरु हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बाइक ले लें

आप इंटरनेट पर थोड़ा-सा रिसर्च कर कर लें, तो अपने बजट में रहने की जगह खोज सकते हैं। कई वेबसाइट्स हैं, जो उनके रिव्यू भी उपलब्ध कराती हैं। जरूरत है बस थोड़ा-सा समय देने की। घूमने वाली जगहों पर कई बार लोकल ट्रांसपोर्टेशन बहुत महंगे होते हैं, ऐसी स्थिति में ज्यादातर हम लोकल पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे लोकल बस, ट्रेन या शेयर ऑटो से काम चलाते हैं। युवाओं में दुपहिया वाहनों का क्रेज देखते हुए कई जगहों पर 200-500 रोज के हिसाब से बाइक या स्कूटी किराए पर आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप बाइक लेना चाहें, तो आपको बस अपना कोई पहचान पत्र उनके पास जमा करना होता है। यह सस्ता, सुविधाजनक और ट्रेंडी रास्ता भी है।

देश की इन 5 खूबसूरत जगहों की दुनिया भी है दीवानी

वक्त निकाल कर जरूर जाएं घूमने

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं जबकि देश में भी बेहद शानदार जगहें हैं ।

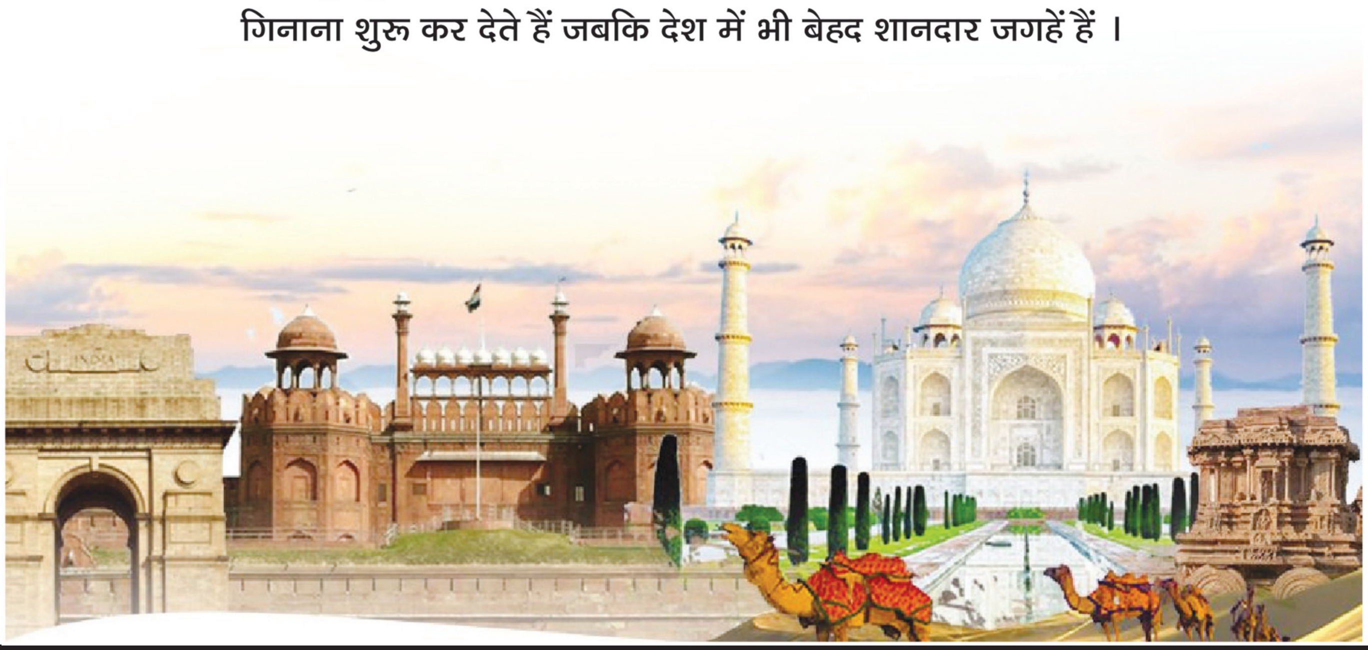

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं, जबकि देश में इतनी शानदार जगहें हैं, जिन पर किसी का भी दिल आ जाएगा। खास बात ये है कि इन जगहों की देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग भी दीवाने हैं। ऐसे में आज यानी कि नेशनल टूरिज्म डे (National Tourism Day) के मौके पर आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे जगहें...

गुलमर्ग

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है कश्मीर का। कहते हैं कि कुदरत ने इस जगह को नायाब खूबसूरती से बख्शा है। यूं तो यहां का कोना-कोना बहुत सुंदर और मनमोहक है लेकिन अगर बात गुलमर्ग की करें तो ये

जम्मू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। इसकी सुंदरता के कारण इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक हैं। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर यह स्थान उत्तरी कश्मीर के बारामुला में स्थित है। एडवेंचर स्पोर्ट्स और स्कीइंग के शौकीन लोगों के लिए गुलमर्ग एक बेहद खास जगह मानी जाती है।

गोवा:

गोवा तो घूमने वाले लोगों की लिस्ट में टॉप पर होता है। खासतौर पर यंगस्टर्स के लिए। युवा यहां जाना खूब पसंद करते हैं। उन्हें यहां के बीच ही नहीं बल्कि यहां की नाइट लाइफ को एंज्वॉय करने जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बीच पर सुकून के पल और फिर एक हसीन शाम गुजारना चाहते हैं तो ये जगह देखनी चाहिए।

लेह-लद्दाख:

देश की और खूबसूरत जगह है लेह-लद्दाख। यहां प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ लोग ट्रैकिंग और बाइक राइडिंग के लिए भी आते हैं। इसके अलावा हाइकिंग, क्लाइम्बिंग और कैंपिंग का मजा लेने भी आते हैं। इसके अलावा यहां की जंस्कार वैली, खरदुंग-ला पास, हेमिस नेशनल पार्क और स्पीतुक गोम्पा जैसी जगहें घूमना एक बेस्ट ऑप्शन होता है।

मुंबई

यूं तो मुंबई को 'फिल्म नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर को सपनों को शहर भी कहते हैं। यहां हर रोज लाखों लोग अपनी आंखों में बेपनाह सपने लेकर आते हैं। मगर इस

शहर में भी कई टूरिस्ट प्लेस हैं, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां घूमने के लिए जुहू चौपाटी, हाजी अली दरगाह, महालक्ष्मी मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव समेत कई जगहें हैं।

केरल:

देश में घूमने के लिए सबसे सुंदर केरल भी एक अच्छा ऑप्शन है। यहां मुन्नार की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मान मोह लेगी। इसके अलावा थेककडी, कोवलम, कुमारकोम जैसी जगहें भी घूमना एक बेहतर ऑप्शन है।